राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 271 | रायपुर | रविवार 28 सितंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

उपराष्ट्रपति 28 सितंबर को बिहार का दौरा करेंगे

सीएम रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा में विकास कार्यों की शुरुआत की

कांग्रेस नेता पर 1 अरब 24 करोड़ का महा-जुर्माना, अवैध खनन पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

पन्ना एजेंसी। अवैध खनन के खिलाफ एक ऐतिहासिक फैसले में, पन्ना कलेक्टर न्यायालय ने कांग्रेस के एक

वरिष्ठ नेता पर 1 अरब 24 करोड़ रुपए से अधिक का भारी-भरकम जुर्माना लगाया है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महामंत्री और मेसर्स डायमंड स्टोन क्रेशर के मालिक श्रीकांत दीक्षित को गुनौर तहसील के बिलघाड़ी में स्वीकृत क्षेत्र से कई गुना अधिक पत्थर का अवैध खनन करने का दोषी पाया गया है। उपसंचालक खनिज प्रशासन और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (गुन्नौर) की एक संयुक्त जांच रिपोर्ट के आधार पर यह फैसला सुनाया गया है। जांच में यह खुलासा हुआ कि श्रीकांत दीक्षित की फर्म ने 2 लाख 72 हजार 298 घन मीटर पत्थर का अवैध उत्खनन किया, जबकि रॉयल्टी सिर्फ 99 हजार 300 घन मीटर की ही चुकाई गई थी। इस तरह करोड़ों रुपए की रॉयल्टी चोरी कर सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया गया।

ब्रह्मपुर-उधना अमृत भारत एक्सप्रेस का हुआ शुभारंभ

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने गृह राज्य गुजरात को पहली अमृत भारत ट्रेन की सौगात दी। पीएम मोदी ने इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई तो वहीं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस ट्रेन में यात्रा भी की। ब्रह्मपुर-उधना (सूरत) अमृत भारत एक्सप्रेस को 19021/19022 नंबर दिया गया है। यह ट्रेन ओडिशा के ब्रह्मपुर और सूरत के उधना स्टेशन के बीच संचालित होगी। अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत के मौके पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णन से इसे ऐतिहासिक क्षण करार दिया। उन्होंने कहा कि 1000 किलोमीटर से अधिक की दूरी मात्र 400-450 रुपये तय होगी। रेल मंत्री ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस गरीब और लोअर मिडिल क्लास के परिवारों को बहुत बड़ी सुविधा मिलेगी।

पांच राज्यों को जोड़ेगी यह ट्रेन ब्रह्मपुर-उधना अमृत भारत एक्सप्रेस पांच राज्यों को कनेक्ट करेगी। इनमें ओडिशा, आंध प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात शामिल हैं। ट्रेन संख्या 19021/19022 उधना-ब्रह्मपुर अमृत भारत एक्सप्रेस साप्ताहिक होगी। ट्रेन संख्या 19021 उधना - ब्रह्मपुर अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार को उधना से सुबह 07:10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 1:55 बजे ब्रह्मपुर पहुंचेगी। यह सेवा 5 अक्टूबर 2025 से शुरू होगी। ट्रेन संख्या 19022 ब्रह्मपुर - उधना अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार को ब्रह्मपुर से रात 11:45 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को सुबह 08:45 बजे उधना पहुंचेगी। यह सेवा 6 अक्टूबर 2025 से शुरू होगी।

अब बीएसएल की भी बढ़ेगी स्पीड, स्वदेशी 4जी नेटवर्क की मिली सौगात

मोदी ने ओडिशा से लॉन्च किए 97500 मोबाइल टावर

नईदिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (27 सिंतबर, 2025) ओडिशा के झारसुगुडा दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने BSNL के स्वदेशी 4G नेटवर्क का शुभारंभ करते हुए 97,500 से अधिक मोबाइल टावरों का उद्घाटन किया। इसके साथ ही, पीएम मोदी ने 60,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें टेलीकॉम, रेलवे, शिक्षा, स्वास्थ्य और घर बनाने जैसी कई जरूरी चीजें शामिल हैं।

देश के कोने-कोने में पहुंचेगा 4जी नेटवर्क- प्रधानमंत्री ने स्वदेशी तकनीक से और लगभग 37,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 97,500 से अधिक मोबाइल 4G टावरों का लोकार्पण किया। जिसके बाद अब सभी टेलीकॉम कंपनी 4G नेटवर्क से लैस हो गए हैं। जिससे यह परियोजना लगभग 26,700 दूरदराज और सीमावर्ती गांवों को कनेक्ट करेगी और 20 लाख नए उपयोगकर्ताओं को लाभ पहुंचाएगी। यह भारत का सबसे बड़ा ग्रीन टेलीकॉम नेटवर्क माना जा रहा है।

जीएसटी का लाभ कांग्रेस नहीं लेने देना चाहती : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के राज में हर कोई परेशान था. लोगों को कांग्रेस से सावधान रहने की जरूरत है. जीएसटी का लाभ कांग्रेस नहीं लेने देना चाहती है. कांग्रेस केवल बयानबाजी करती है. कांग्रेस की लूट 2014 तक चली. कांग्रेस के लूटने की आदत नहीं गई है. कांग्रेस के लोग मुझे गाली देते हैं. उन्होंने कहा कि बीजेपी की सरकार गरीबों, दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों तक मूल सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है.

रेलवे को मिलेगी नई रफ्तार

पीएम मोदी ने रेलवे से जुड़े कई अहम प्रोजेक्ट्स की भी शुरुआत की। उन्होंने संबलपुर-सरला में एक रेल फ्लाईओवर का शिलान्यास किया। साथ ही कोरापुट-बैगुड़ा और मानबार-कोरापुट-गोरापुर लाइनों के दोहरीकरण का कार्य पूरा होने के बाद उसे देश को समर्पित किया। इसके अलावा, एक नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई, जो बेरहामपुर से ऊधना (सूरत) तक चलेगी। इन प्रोजेक्ट्स से ओडिशा और आस-पास के राज्यों में सफर करना और माल ढुलाई आसान हो जाएगी।

शिक्षा और कौशल विकास को मिलेगा बढ़ावा- प्रधानमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई अहम घोषणाएं की, इसके साथ ही उन्होंने तिरुपति, पलक्कड़, भिलाई, जम्मू, धारवाड़, जोधपुर, पटना और इंदौर में 8 IITs के विस्तार की आधारशिला रखी। इस पर करीब 11,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे अगले चार सालों में 10,000 नए छात्रों के लिए जगह बनेगी। इसके अलावा, ओडिशा में वर्ल्ड स्किल सेंटर बनाए जाएंगे और कई ITI को अपग्रेड किया जाएगा, ताकि युवाओं को नई टेक्नोलॉजी की ट्रेनिंग मिल सके।

राज्य के 130 कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में Wi-Fi की सुविधा शुरू की गई, जिससे 2.5 लाख से ज्यादा छात्रों को रोज फ्री डेटा मिलेगा।

स्वास्थ्य सुविधाएं होंगी बेहतर

राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को भी बेहतर बनाने के लिए कदम उठाया जा रहा है। बेरहामपुर के MKCG मेडिकल कॉलेज (बर्हपुर) और संभलपुर के VIMSAR (संबलपुर) को विश्व स्तरीय सुपर-स्पेशलिटी अस्पतालों में बदलना जाएगा। इसमें ट्रॉमा यूनिट, डेंटल कॉलेज, मातृ और शिशु स्वास्थ्य सुविधाएं और बेड क्षमता का विस्तार शामिल होगा।

भारत के स्वदेशी 4जी नेटवर्क और 97,500 स्वदेशी बीएसएनएल टावर से डिजिटल कनेक्टिविटी होगी मजबूत : ज्योतिरादित्य

नई दिल्ली एजेंसी।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश भर में डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में भारत के पूरी तरह स्वदेशी 4जी स्टैक और 97,500 से अधिक स्वदेशी बीएसएनएल टावरों का उद्घाटन करने जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस पहल से पूरे देश में 100 प्रतिशत 4त कवरेज सुनिश्चित होगा, जिससे हर नागरिक की डिजिटल कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा,

भारत के दूरसंचार क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक अवसर और बीएसएनएल के 25 शानदार वर्षों के जश्न के अवसर पर, पीएम मोदी ओडिशा, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, असम, गुजरात और बिहार में भारत के पूरी तरह स्वदेशी 4जी स्टैक और 97,500 से अधिक स्वदेशी बीएसएनएल टावरों का उद्घाटन करेंगे।

'बिहारवासियों को इस बार 4 दिवाली मनानी हैं', अररिया में बोले अमित शाह

एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के तारीखों के ऐलान के पहले प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है. राजनीतिक पार्टियां अपनी पूरी ताक़त इस चुनाव में झोंक दे रही है. शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बिहार के अररिया दौरे के दौरान चुनावी अभियान को आकार देना शुरू कर दिया है. जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार के चुनाव को लेकर इस बार चार दीपावली मनाने का संदेश दिया है.

अमित शाह ने जनसभा में 'जय श्रीराम' के नारे लगवाए और कहा कि 'बीजेपी चुन-चुन कर एक-एक घुसपैठिया को देश से बाहर करेगी.'

गृहमंत्री ने लालू प्रसाद के कार्यकाल की आलोचना करते हुए कहा कि जब वे सत्ता में थे, तब राम मंदिर के निर्माण में

देरी की गई. मोदी सरकार ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनवाया, जल्द ही वहां ध्वजा भी लगेगी. 550 साल से रामलला तम्बू में थे.

अमित शाह ने कहा कि इस बार दीपावली में जो भी चीज खरीदेंगे हम लोग को सुनिश्चित करना चाहिए कि वह स्वदेशी हो. इस बार बिहार वासियों को चार दीवाली मनानी है.

चार दीपावली क्यों?

पहली – जब प्रभु श्रीराम अयोध्या लौटे थे. दूसरी – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल 75 लाख जीविका दीदियों के खाते में 10,000 रुपये भेजे. तीसरी – जीएसटी में 395 से ज्यादा चीजों के दाम कम या शून्य किए गए. चौथी – NDA-बीजेपी की सरकार 160 से ज्यादा सीटों के साथ बनाकर.

घुसपैठियों को लेकर सियासी बहस –अमित शाह ने राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला करते हुए कहा कि ये दोनों घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं जबकि बीजेपी उन्हें देश से बाहर निकालना चाहती है. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा से चुनाव आयोग की मतदाता सूची से घुसपैठियों के नाम कट रहे हैं।

तमिलनाडु में एक्टर विजय की रैली के दौरान भगदड़, 10 लोगों की मौत; कई बेहोश

एजेंसी। तमिलनाडु में आयोजित एक रैली के दौरान भगदड़ जैसे हालात बन गए। इसके चलते कई लोगों के बेहोश होने की खबर है। वहीं, बताया जाता है कि नौ साल का एक बच्चा गायब हो गया है।तमिलनाडु के नामक्कल में अभिनेता से नेता बने विजय की रैली में भगदड़ के चलते 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में बच्चे भी हैं। इसके अलावा कई अन्य लोग बेहोश भी हुए हैं। टीवीके (तमिलगा वेट्री कज़गम) प्रमुख और अभिनेता विजय ने नामक्कल में यह रैली आयोजित की थी। तमिलनाडु के करूर हॉस्पिटल में हालात बहुत ज्यादा खराब हैं। पीटीआई के मुताबिक मरने वालों में दो बच्चे भी हैं। बताया जाता है कि इस रैली में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। भीड़ इतनी ज्यादा बढ़ गई थी कि वहां पर हालात बिगड़ने लगे।

सोनम वांगचुक पर एनएसए के तहत बड़ी कार्रवाई, डीजीपी का सनसनीखेज आरोप- 'पाकिस्तान से हैं संबंध

लेह एजेंसी।

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर आंदोलन करने वाले प्रसिद्ध शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर शिकंजा कस गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत शुक्रवार को हुई उनकी गिरफ्तारी के एक दिन बाद, लद्दाख के डीजीपी एस.डी. सिंह जामवाल ने शनिवार को एक सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा कि वांगचुक के पाकिस्तान से संबंध हैं। लेह में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डीजीपी जामवाल ने दावा किया, हमने हाल ही में एक पाकिस्तानी खुफिया अधिकारी (PIO) को गिरफ्तार किया है जो सीमा पार रिपोर्ट भेज रहा था। हमारे पास रिकॉर्ड हैं कि वह (सोनम वांगचुक) के संपर्क में था। वांगचुक पाकिस्तान में एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे और बांग्लादेश भी गए थे। इससे गंभीर सवाल उठते हैं और मामले की जांच चल रही है। बता दें कि सोनम वांगचुक को शुक्रवार को ह्न के तहत गिरफ्तार कर राजस्थान की जोधपुर सेंट्रल जेल भेज दिया गया है। अपनी गिरफ्तारी पर वांगचुक ने इसे एक षड्यंत्र बताया है और कहा है कि केंद्र सरकार लद्दाख के लोगों की मांगों से ध्यान भटकाने के लिए उन्हें बलि का बकरा बना रही है। डीजीपी ने वांगचुक पर 24 सितंबर को लेह में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने का भी आरोप लगाया। इस हिंसक प्रदर्शन में 4 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 80 लोग घायल हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने वाहनों और स्थानीय भाजपा कार्यालय में भी आगजनी की थी। सरकार के अनुसार, वांगचुक के भड़काऊ बयानों ने अशांति फैलाने में अहम भूमिका निभाई। पुलिस उनके द्वारा प्राप्त धन की FCRA (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम) के संभावित उल्लंघनों के लिए भी जांच कर रही है।

विदेश

एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम के लिए 30 हजार करोड़ का टेंडर

सीमा पर पाक-चीन की नींद उड़ाएगा भारत का 'अनंत शस्त्र

एजेंसी।

भारतीय सेना ने अपनी हवाई सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए एक निर्णायक कदम उठाया है। इसकी वायु रक्षा शाखा ने अनंतशस्त्र नामक त्वरित प्रतिक्रिया सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (QRSAM) प्रणाली को सेना में शामिल करने के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध (RFP) जारी किया है। यह प्रणाली सिर्फ़ एक मिसाइल प्रणाली का आगमन नहीं है; यह भारत की उस भविष्य की ओर छलांग है जहाँ युद्धक्षेत्र की सुरक्षा स्वदेशी नवाचार पर टिकी है। यह सुनिश्चित करता है कि सैनिक एक सुरक्षात्मक गुंबद के नीचे लड़ें, इस विश्वास के साथ कि उनके आसमान पर नज़र रखी जा रही है।

अनंतशस्त्र क्या है? अनंतशस्त्र एक आधुनिक त्वरित प्रतिक्रिया सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है जिसे विशेष रूप से भारतीय सेना की ज़रूरतों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह मशीनीकृत और बख्तरबंद संरचनाओं के लिए एक ढाल के रूप में कार्य करेगी, यह सुनिश्चित करते हुए कि टैंक, पैदल सेना के लड़ाकू वाहन जैसे बीएमपी, और तोपखाने दुश्मन के विमानों, हेलीकॉप्टरों, ड्रोन, घूमते हुए हथियारों, रॉकेटों और यहाँ तक कि सटीक-निर्देशित हथियारों से सुरक्षित रहें। एक बार सेना में शामिल हो जाने पर, यह भारत के मोबाइल युद्ध समूहों को हवाई खतरों की लगातार चिंता किए बिना, स्वतंत्र रूप से काम करने का आत्मविश्वास देगा।

शामिल करने का पैमाना

योजना महत्वाकांक्षी है। अनंतशस्त्र की नौ इकाइयाँ बनाई जानी हैं, जिनमें 36 मिसाइलें और 36 रडार होंगे। कुल मिलाकर, तीन रेजिमेंटों का गठन किया जाएगा, जो भारत की अग्रिम पंक्ति की वायु रक्षा क्षमताओं का एक बड़ा विस्तार होगा। पूरी परियोजना का मूल्य लगभग 30,000 करोड़ रुपये है, जो इसे हाल के वर्षों में सेना के सबसे बड़े वायु रक्षा कार्यक्रमों में से एक बनाता है।

रूसी सेना में फंसे 27 और भारतीय, भारत ने मॉस्को से की तत्काल सेवामुक्त करने की अपील

बता दें कि बीते गुरूवार को रूस के उपप्रधानमंत्री दिमित्री पेत्रुशेव ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात । यह बैठक 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2025' के अवसर पर आयोजित की गई, जिसमें दोनों नेताओं ने कृषि, उर्वरक, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने को लेकर विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के साथ भारत की 'विन-विन पार्टनरशिप' को और अधिक मजबूत करने की दिशा में चर्चा की। खासतौर पर कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और उर्वरक जैसे क्षेत्रों में संयुक्त प्रयासों को बढ़ावा देने की बात कही गई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त कीं और कहा कि वे उन्हें जल्द ही भारत में होने वाले 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत में स्वागत करने को लेकर उत्सुक हैं।

वाशिंगटन ,एजेंसी ।

मॉस्को ,27 सितंबर । यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के बीच रूस द्वारा अपनी सेना में भारतीयों की भर्ती का गंभीर मामला एक बार फिर सामने आया है। भारत ने रूस से अपने 27 और नागरिकों को तत्काल सेवामुक्त करने की अपील की है, जिन्हें हाल ही में रूसी सेना में भर्ती किया गया है। विदेश मंत्रालय ने इस मामले को मॉस्को के समक्ष जोरदार तरीके से उठाते हुए भारतीयों को जल्द से जल्द वापस लाने की मांग की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक साप्ताहिक प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार को पता चला है कि रूसी सेना में और भी भारतीय सेवारत हैं और उनके परिवारों से लगातार नई जानकारी मिल रही है।

प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमारी जानकारी के अनुसार, 27 भारतीय नागरिक वर्तमान में रूसी सेना में सेवारत हैं। हम इस मामले पर उनके परिवारों के साथ भी लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने एक बार फिर भारतीय नागरिकों को आगाह करते हुए कहा, हम सभी भारतीय नागरिकों से रूसी सेना में सेवा देने के लिए मिलने वाले प्रस्तावों से दूर रहने का आग्रह करते हैं क्योंकि ये खतरों और जोखिम से भरे हैं।

रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत ने इस मामले को लेकर अपनी गंभीर चिंता रूसी अधिकारियों के समक्ष व्यक्त की है। उन्होंने कहा, हमने मॉस्को में रूसी अधिकारियों और नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के समक्ष इस मामले को जोरदार तरीके से उठाया है और उनसे (भारतीयों को) जल्द से जल्द सेवा मुक्त करने का अनुरोध किया है। हम उन्हें वहां से बाहर निकालने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अब तक 150 से अधिक भारतीयों को रूसी सेना में भर्ती किया जा चुका है। इनमें से कई छात्र और बिजनेस वीजा पर रूस गए थे, जिन्हें धोखे से या जबरन यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर भेज दिया गया। इस संघर्ष में अब तक कम से 'कम 12 भारतीयों' की मौत हो चुकी है, जबकि 16 को लापता घोषित किया गया है। भारत के लगातार दबाव के बाद रूसी अधिकारियों ने अब तक 96 भारतीयों को सेवामुक्त किया है। पिछले साल अपनी रूस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी यह मुद्दा उठाया था।

ट्रंप से मिले यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर

न्यूयॉर्क एजेंसी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की सपत्नी, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया से मिले। इसके बाद अपने जज्बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए जाहिर किए। दावा किया कि यूक्रेन की लड़ाई में अमेरिकी राष्ट्रपति उनके साथ खड़े हैं। एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, अमेरिका यूक्रेन के साथ खड़ा है – और हम इसे महसूस करते हैं। हम संयुक्त राज्य अमेरिका के लोगों, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (एट पोटस), और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप को यूक्रेनियों, हमारे बच्चों और हमारे लोगों के प्रति दिखाई जा रही फिक्र के लिए आभार जताते हैं। हम एक साथ खड़े हैं इसका मतलब है कि जीवन सुरक्षित रहेगा और हम और ज्यादा शांत और सुरक्षित महसूस करेंगे। न्यूयॉर्क में यूएनजीए बैठक चल रही

है, जिसमें दुनिया के तमाम नेता एक मंच से शांति, सुरक्षा और युद्ध को लेकर अपनी बात रख रहे हैं। जेलेंस्की ने भी मंच से अपनी बात रखी थी। वो हमेशा की तरह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अपडेट दे रहे हैं। इससे पहले उन्होंने विभिन्न बैठकों और मुलाकातों का जिक्र करते हुए लिखा, हमारी टीम ने 30 से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ सार्थक बातचीत, यूक्रेन और अमेरिका की प्रथम महिलाओं के बीच बैठक, शांति के लिए नेताओं के साथ दर्जनों बैठकें, मौजूदा सहयोग को मजबूत करना और नए संबंध बनाना शामिल हैं।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

सीएम साय ने की बड़ी घोषणाः छत्तीसगढ़ से ओलंपिक में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को मिलेगा 21 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित सर्किट हाउस सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा की बैठक में शामिल हुए। इस दौरान बैठक में वर्ष 2024-25 की ऑडिट रिपोर्ट का अनुमोदन, वर्ष 2025-26 का वार्षिक बजट प्रस्तुतिकरण एवं अनुमोदन, वर्ष 2025-26 हेतु ऑडिटर की नियुक्ति सहित अन्य महत्वपूर्ण एजेंडा पर चर्चा की गई।

छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब छत्तीसगढ़ से ओलंपिक में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 21 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। इन प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और निखारने के लिए हमारी सरकार निरंतर प्रयासरत है। हमने पूर्व में बंद हुए खेल अलंकरण समारोह को पुनः प्रारंभ किया है और जल्द ही उत्कृष्ट खिलाड़ी सम्मान समारोह भी प्रारंभ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया के नए परिसरों की शुरुआत की गई है। कुछ महीने पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री श्री मनसुख मांडविया का भी छत्तीसगढ़ आगमन हुआ था, जहां हमने उनसे खेल अधोसंरचना के विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की। विशेषकर ओलंपिक खेलों को लेकर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु हमने विशेष तैयारी की है। ओलंपिक खेलों में प्रदेश के स्वर्ण पदक विजेताओं को तीन करोड़ रुपये, रजत पदक विजेताओं को दो करोड़ रुपये तथा कांस्य पदक विजेताओं को एक करोड़ रुपये देने का निर्णय लिया गया है। स्वाभाविक रूप से इससे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि खेलों का बजट बढ़ाया जाए और कॉरपोरेट क्षेत्र की सहभागिता को भी प्रेरित किया जाए।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ष 2036 में हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने ओलंपिक खेलों के लिए भारत की मेजबानी का प्रस्ताव रखा है और अहमदाबाद शहर को इसके लिए प्रस्तावित किया गया है। स्वाभाविक रूप से केंद्र सरकार का पूरा ध्यान देश में खेलों की व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर है, ताकि एक दशक के भीतर हम खेलों के क्षेत्र में महाशक्ति के रूप में उभर सकें। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में भी हमें राष्ट्रीय स्तर के खेलों के आयोजन हेतु सामूहिक प्रयास करने होंगे।

कैबिनेट मंत्री एवं संघ के उपाध्यक्ष श्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर ओलंपिक जैसी खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई है, जिससे सुदूर वनांचल की खेल प्रतिभाओं को एक सुनहरा मंच मिला है।

इस अवसर पर सचिवीय प्रतिवेदन का वाचन महासचिव श्री विक्रम सिसोदिया ने किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष श्री हिमांशु द्विवेदी, श्री गजराज पगारिया एवं कोषाध्यक्ष श्री संजय मिश्रा सहित खेल संघ से जुड़े पदाधिकारी एवं सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एआई के भरोसे कांग्रेस आई – डॉ. नवीन मार्कंडेय

रायपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कंडेय ने कहा कि एआई आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस का नाम लेकर कांग्रेस केवल भ्रम का मायाजाल फैला रही है और अपनी विधायक को भ्रष्टाचार के मामले में बचा रही है। प्रदेश के कांग्रेस प्रमुख दीपक बैज को इस मामले में सत्य की स्वीकारते हुए एफआईआर करवानी चाहिए लेकिन कांग्रेस केवल इस मामले में पर्दा डालने के लिए एआई वॉइस का बात कहकर अपनी महिला विधायक शेषराज हरबंश को बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को हमेशा भ्रष्टाचार को प्रोत्साहित करने वाली पार्टी रही है और देश में भ्रष्टाचार की जननी कांग्रेस को ही मानी जाती है। उनके नेता और विधायक इससे दूर कैसे रह सकते हैं? इसके पूर्व की सरकार जब कांग्रेस की थी तब छत्तीसगढ़ को भ्रष्टाचार का द्वीप बना दिया गया था। जो किसी से छिपा नहीं है। भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कंडेय ने कहा कि कांग्रेस को हिम्मत जुटा कर अपनी विधायक के ऑडियो की जांच करानी चाहिए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा, लेकिन कांग्रेस इन सबसे बचती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा अपराधियों के साथ खड़ी रहती है क्योंकि उन्हें तो केवल संरक्षण कांग्रेस ही दे सकती है। इसलिए हमेशा कहा जाता है कि भ्रष्टाचारियों का हाथ कांग्रेस के साथ। आदि कर्मयोगी अभियान के लिए पंचायतों का विजन एक्शन प्लान तैयार आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत विकासखंड कसडोल बलौदाबाजार के ग्राम पंचायत बगार, बोरसी, नंदनिया एवं परसदा में विलेज़ विजन एक्शन प्लान तैयार किया गया।

नालंदा लाइब्रेरी निर्माण की प्रक्रिया हुई तेज, कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने किया निरीक्षण

आबकारी कंट्रोल रूम एनएच कार्यालय में होगा स्थानांतरित

रायपुर। कवर्धा के युवाओं और अध्ययनशील नागरिकों की बहुप्रतीक्षित नालंदा लाइब्रेरी के निर्माण की दिशा में अब तेज़ी आ गई है। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से स्वीकृत इस परियोजना के लिए आज कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा और नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंदप्रकाश चंद्रवंशी ने प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया और निर्माण की बाधाओं को दूर करने के निर्देश दिए। वर्तमान में प्रस्तावित नालंदा लाइब्रेरी परिसर स्थल में आबकारी कंट्रोल रूम का संचालन किया जा रहा है।

कलेक्टर ने आज आबकारी कंट्रोल रूम को स्थानांतरित करने के लिए चिन्हांकित की गई एनएच कार्यालय भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वर्तमान में लाइब्रेरी परिसर में संचालित आबकारी कंट्रोल रूम को

अन्य स्थान पर स्थानांतरित किए जाने की कार्रवाई की समीक्षा की। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आबकारी कंट्रोल रूम को शीघ्र ही एनएच कार्यालय में स्थानांतरित किया जाए, ताकि नालंदा लाइब्रेरी का निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के प्रारंभ हो सके।

कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने बताया कि उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से राज्य शासन ने लाइब्रेरी, कैफिटेरिया एवं अन्य निर्माण के लिए 4 करोड़ 37 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। नालंदा लाइब्रेरी का निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के प्रारंभ हो सके इसके लिए कार्य तेज गति से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नालंदा लाइब्रेरी नगर के युवाओं, विद्यार्थियों एवं अध्ययनशील नागरिकों के लिए नई संभावनाओं का द्वार खोलेगी। कलेक्टर ने बताया कि नालंदा लाइब्रेरी का निर्माण लगभग डेढ़ एकड़ शासकीय भूखंड पर किया जाएगा। यह तीन मंजिला भवन होगा, जिसमें 200 सीटर वातानुकूलित हॉल तैयार किया जाएगा।

सेवा पखवाड़ा दिवस पर विभिन्न विभागों के शिविर का सफल आयोजन

धमतरी । सेवा पखवाड़ा दिवस के अवसर पर विगत दिवस जनपद पंचायत नगरी, जिला धमतरी में दिव्यांगजनों एवं आम नागरिकों की सुविधा हेतु विभिन्न विभागों द्वारा संयुक्त शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में दिव्यांगजनों के परीक्षण, मूल्यांकन, प्रमाण पत्र प्रमाणीकरण/नवीनीकरण, यू.डी.आई.डी. पंजीयन/वितरण, श्रम कार्ड पंजीयन, स्वास्थ्य परीक्षण, खाद्य विभाग से संबंधित कार्य तथा परिवहन विभाग द्वारा बस पास एवं ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही जिला अग्रणी बैंक द्वारा अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना एवं जीवन ज्योति बीमा योजना से संबंधित कार्य भी संपन्न किए गए। इस अवसर पर कुल 102 हितग्राही लाभान्वित हुए। इनमें 67 दिव्यांगजनों का दिव्यांग प्रमाण पत्र हेतु पंजीयन, 07 श्रमिकों का संगठित श्रम कार्ड हेतु पंजीयन, परिवहन विभाग के माध्यम से 22 हितग्राहियों को लर्निंग लाइसेंस एवं 01 हितग्राही को बस पास जारी किया गया। इसके अतिरिक्त खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड हेतु 05 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में बलजीत छाबड़ा, अध्यक्ष जनपद पंचायत नगरी, हृदय राम साहू उपाध्यक्ष, मुनेन्द्र ध्रुव सदस्य, प्रेमलता नागवंशी सदस्य, मोहम्मद हनीफ सदस्य, जनपद पंचायत नगरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा समाज कल्याण विभाग, जिला धमतरी के उपसंचालक उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन से दिव्यांगजनों और हितग्राहियों को समय पर आवश्यक सुविधाएं प्राप्त हुईं। यह पहल शासन की जनहितैषी सोच और सेवा पखवाड़ा दिवस को सार्थक बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम सिद्ध हुई।

लिटिल मिलेनियम एवं अलास्का पब्लिक स्कूल में ग्रैंडपेरेंट्स डे का भव्य आयोजन

मनेन्द्रगढ़, 26 सितम्बर (आरएनएस)। लिटिल मिलेनियम एवं अलास्का पब्लिक स्कूल में ग्रैंडपेरेंट्स डे के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल संचालक मो. फिरोज एवं संचालिका रुहीन मंसूरी के नेतृत्व में सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस मौके पर सीएलओ स्मृति गुप्ता एवं कोऑर्डिनेटर्स रिचा अग्रवाल, निशि विश्वकर्मा एवं नेहा यादव उपस्थित रहीं। अलास्का पब्लिक स्कूल की कोऑर्डिनेटर रिचा अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा, ÷दादा-दादी हमारे जीवन की नींव होते हैं। वे हमारे पहले मार्गदर्शक और सच्चे शुभचिंतक होते हैं।÷ इसके बाद दादा-दादी एवं नाना-नानी के लिए विभिन्न इंडोर गेम्स का आयोजन किया गया, जिनमें उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विजेताओं में पोटेटो इन द बास्केट गेम में कांतिलाल चावड़ा, बैलेंस द कप गेम में सावित्री व संतोष पनिका, बैलेंस द कप एंड रन में विजय अग्रवाल एवं दीप्ति अग्रवाल, अरेंज नंबर इन वन लाइन में कीर्ति रामपुरिया, कलेक्ट द कप में दुर्गा देवी, पील द पोटेटो में फुलपत साहू, सेपरेट द वेजिटेबल्स में शुष्मा और संतोष जैन, पिक द कप में संगीता पांडे, और शिफ्ट द बॉल में रामबाई गहन शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चों ने अपने दादा-दादी एवं नाना-नानी के लिए मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। प्रस्तुत गीतों में ÷तुझमे रब दिखता है,÷ ÷दादी अम्मा मान जाओ,÷ ÷दादा जी की छड़ी ही में,÷ ÷प्यारी प्यारी दादी मां,÷ और ÷चांद से प्यारी दादी मां÷ आदि शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में विजेता दादा-दादी एवं नाना-नानी को डायरेक्टर्स एवं कोऑर्डिनेटर्स द्वारा पुरस्कृत किया गया। संचालक महोदय ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समस्त स्कूल टीम को बधाई दी। मंच संचालन का दायित्व निशि विश्वकर्मा, नेहा यादव, तस्लीम मंसूरी एवं अनामिका आइंद ने सफलतापूर्वक निभाया। इस आयोजन की सफलता में विजय विश्वकर्मा, संदीप भारद्वाज, ऋचा अग्रवाल, इलियास खान, स्मृति गुप्ता, निशी विश्वकर्मा, नेहा यादव, तेजस्वानी नामदेव, तसलीम मंसूरी, नंदनी विश्वकर्मा, अनामिका आइंद, खुशी गुप्ता, श्रद्धा साव, विमला दाहिया, आयशा खातून, जागृति, रेखा सिंह, साक्षी सिंह, निकुंज गोयल।

स्ट्रे सेफ फाउंडेशन का अनोखा भंडारा, मनुष्य और जीव-जंतु साथ-साथ, कोई न भूखे सोए

मनुष्य, पशु पक्षियों और मछलियों के लिए हुआ अनूठा भंडारा

जगदलपुर। स्ट्रे सेफ फाउंडेशन द्वारा इस बार एक विशेष और अनोखी पहल के तहत भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें मनुष्यों के साथ-साथ सभी जीव-जंतुओं के लिए भी भोजन की व्यवस्था की गई थी। यह भंडारा समाज में संदेश दे गया कि भूखा न सोए कोई भी प्राणी, चाहे वह इंसान हो या जानवर। भंडारे की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि सभी जीवों की जरूरतों का विशेष ध्यान रखा गया। गायों के लिए हरा चारा, पक्षियों के लिए दाना, स्वानों के लिए रोटी, बिस्किट, और मछलियों के लिए दाने की व्यवस्था की गई थी। इस पहल के माध्यम से स्ट्रे सेफ फाउंडेशन यह दिखाना चाहता है कि हमारे समाज में इंसानों और जानवरों के बीच प्रेम और संवेदना का संबंध मजबूत होना चाहिए। टीम का कहना है कि यह भंडारा केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में चेतना फैलाने का प्रयास है। यह पहल हमें याद दिलाती है कि हमारे चारों ओर जितने भी जीव-जंतु हैं, उनका जीवन भी हमारी तरह मूल्यवान है और उन्हें भी सम्मान और सुरक्षा की आवश्यकता है। भंडारे का आयोजन एसपी ऑफिस के सामने, जगदलपुर में 26 सितंबर को पशुओं के लिए आयोजित हुआ और इसी स्थान पर 27 सितंबर को मनुष्यों के लिए भंडारे का आयोजन किया जाएगा। स्ट्रे सेफ फाउंडेशन की टीम ने सभी से आह्वान किया है कि वे इस अनोखी पहल में सहयोग करें और इसे सफल बनाने में योगदान दें। उनका उद्देश्य समाज में यह संदेश फैलाना है कि भंडारा तभी सच्चा माना जा सकता है, जब कोई भी प्राणी भूखा न सोए और हम सभी मिलकर अपने चारों ओर दया, प्यार और संवेदनशीलता का माहौल बनाएं।

एक दिन-एक घंटा स्वच्छता ही सेवा अभियान में सामूहिक श्रमदान

कृषि मंत्री श्री नेताम ने आमजनों को स्वच्छता के लिए किया प्रेरित

रायपुर। स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करने स्वच्छता अभियान तहत बलरामपुर स्थित बाजार परिसर में एक दिन-एक घंटा स्वच्छा ही सेवा अभियान के तहत कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने सामूहिक श्रम कर लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। साथ ही साथ लोगों को पर्यावरण संरक्षण की सीख भी कार्यक्रम के दौरान दी गई। इस दौरान कलेक्टर राजेंद्र कटारा, पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर रमनलाल, रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर सामूहिक श्रमदान किया। स्वच्छता को जीवन का बनाएं हिस्सा मंत्री नेताम ने कहा कि स्वच्छता सिर्फ अभियान नहीं है, बल्कि इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। स्वच्छता हर नागरिक का दायित्व है। इसके लिए हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने स्वच्छता के महत्व को बताते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से हर कार्य आसानी से संभव है। हम सभी प्रतिदिन थोड़ी देर भी सफाई के लिए निकालें तो पूरा जिला स्वच्छ और साफ हो जाएगा। स्वच्छता के लिए सक्रिय सहभागिता की अपील मंत्री श्री नेताम ने कहा जब हम सब मिलकर एक दिन, एक घंटा, एक साथ-सफाई के लिए समय देंगे, तभी स्वच्छ जिला, राज्य और देश बनेगा। स्वच्छ वातावरण से न केवल बीमारियों से बचाव होगा,बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति भी होती है। मंत्री ने जिले को स्वच्छ और सुंदर बनाने के प्रयास को सफल बनाने जिले के आम नागरिकों से स्वच्छता अभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत 83 गांवों के समाज प्रमुखों के साथ कलेक्टर ने बनाई विकास की रूपरेखा

गांव की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखकर कार्य होंगे- कलेक्टर श्री मिश्रा *

सड़क, पेयजल, सिंचाई और बिजली जैसे बुनियादी ढांचे को मिलेगी प्राथमिकता

धमतरी । आदि कर्मयोगी अभियान ङ्क रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम के अंतर्गत नगरी विकासखंड स्थित आदिवासी भवन में आज एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर 9 क्लस्टरों के लगभग 83 गांवों के समाज प्रमुख, सरपंच, सचिव एवं जिला स्तरीय अधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि गांव की नींव मजबूत होने पर ही विकास की दिशा तय होती है। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामवासियों की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव की पूरी रूपरेखा तैयार स्वीकृति हेतु उच्चस्तर पर भेजी जाए । जिला स्तरीय कार्य प्रशासन को प्रस्तुत करें । कलेक्टर ने समाज प्रमुखों से आग्रह किया कि वे गांव की भौगोलिक स्थिति, सामाजिक परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और प्राथमिकताओं की जानकारी साझा करें ताकि योजनाएं व्यवहारिक और जनहितकारी बन सकें। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर छोटे मार्गों का निर्माण, सामुदायिक पेयजल योजना, सड़क, पुल-पुलिया, सिंचाई व्यवस्था, युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार तथा विद्युत सब-स्टेशन जैसे बुनियादी ढांचे के प्रस्तावों को प्राथमिकता दी जाएगी। कलेक्टर ने यह भी कहा कि ऐसे कार्य किए जाएं जिनका लाभ लंबे समय तक अधिक से अधिक ग्रामीणों तक पहुंचे। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा पीआरए की जानकारी प्रस्तुत की गई। कलेक्टर मिश्रा ने नगरी क्षेत्र में मत्स्य पालन की अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इसे बढ़ावा देकर आजीविका के नए अवसर विकसित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में आदिवासी सदन नगरी में समाज प्रमुखों, सरपंचों, सचिवों एवं अधिकारियों ने कलेक्टर मिश्रा के साथ भोजन किया। इस दौरान विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया नवीन बाजार से कर्मा माता चौक का किया निरीक्षण

यातायात सुगम बनाने प्रशासन सख्त, अब सड़क पर ठेला लगाने वालों पर होगी कार्रवाई

नवीन बाजार में चिकन-मटन बाजार होगा शिफ्ट, सब्जी व्यापारियों के लिए बनेगी नई व्यवस्था

सड़कों पर अतिक्रमण रोकने कलेक्टर का निर्देश, लगातार समझाइश के बाद होगी जब्ती कार्रवाई

कवर्धा, 26 सितम्बर (आरएनएस)। कवर्धा शहर के मुख्य सब्जी बाजार में यातायात को सुगम बनाने और बाजार को सुव्यवस्थित करने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में कलेक्टर गोपाल वर्मा ने देर शाम नवीन बाजार एवं सब्जी बाजार के मुख्य मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चन्द्रवंशी, एसडीएम चेतन साहू, राजस्व विभाग, पुलिस, पालिका अधिकारी रोहित साहू एवं जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान मुख्य मार्ग पर सब्जी ठेलों की अव्यवस्थित स्थिति देखने को मिली।

कई जगह सड़कों पर दो से तीन लेयर में सब्जी ठेले लगे पाए गए, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा था। इस पर कलेक्टर ने छोटे व्यापारियों एवं ठेला संचालकों से सीधे चर्चा की और कहा कि बाजार और शहर आपका है, जब यातायात सुगम और बाजार सुव्यवस्थित होगा, तभी बाजार की रौनक और बढ़ेगी। इसलिए ठेला-गुमटी सड़कों पर लगाने से बचें। कलेक्टर ने इस संबंध में राजस्व, पुलिस एवं नगर पालिका की संयुक्त टीम को निर्देश दिए कि व्यापारियों को लगातार समझाइश दी जाए और इसी सप्ताह से सड़कों पर अतिक्रमण करने वालों पर जब्ती की कार्रवाई भी की जाए। चिकन, मटन एवं मछली बाजार होगा शिफ्ट कलेक्टर वर्मा ने बताया कि नवीन बाजार क्षेत्र में सब्जी बाजार के दबाव को कम करने के लिए नगर पालिका को निर्देश दिए गए हैं। वर्तमान में बाजार के अंदर पर्याप्त खाली स्थान उपलब्ध है, जहाँ व्यापारियों को सुव्यवस्थित तरीके से बैठाया जाएगा। वहीं, नवीन बाजार में स्थित चिकन, मटन एवं मछली बाजार को शीघ्र ही शहर से बाहर ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में व्यवस्थित किया जाएगा। व्यापारियों से निरंतर अपील पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चन्द्रवंशी ने व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि सड़क पर ठेले लगाना बंद करें। उन्होंने बताया कि कलेक्टर के निर्देशन पर लगातार निवेदन और समझाइश की जा रही है। यदि इसके बाद भी व्यापारियों ने सड़कों पर ठेले लगाए, तो जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान पालिका की ओर से लाउडस्पीकर के माध्यम से भी बार-बार आग्रह किया गया कि व्यापारियों को दो से तीन लेयर में ठेले लगाने से बचना चाहिए।

राजनांदगांव जिला राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित, जल संरक्षण में बेहतरीन प्रदर्शन

रायपुर। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा देशभर में आयोजित जन भागीदारी से जल संचय राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में राजनांदगांव जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष जिलों में स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए जिले को 2 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। राजनांदगांव जिले की यह सफलता जिलेवासियों, सामुदायिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, उद्यमियों और प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सैकड़ों संरचनाओं का निर्माण किया गया और ग्रामीण स्तर पर जल संचय के विभिन्न अभियानों का संचालन किया गया।

इस अभियान में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। पद्मश्री फूलबासन यादव एवं उनके समूह द्वारा नीर एवं नारी जल यात्रा आयोजित कर समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का सराहनीय प्रयास किया गया, जिसके

चलते यह अभियान जन-आंदोलन का रूप ले लिया। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में संरचनाओं, नवाचार, जन-जागरूकता और स्थायित्व को मुख्य मानदंड बनाया गया। राजनांदगांव जिले की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि जन-भागीदारी से ही स्थायी जल समाधान संभव है।

प्रतिकूल मौसम में भी राहत-मुनाफा लेकर आई पीएम सूर्यघर योजना

पड़ोसी को देख पड़ोसी ने लगवाया अपनी छत पर भी सोलर पैनल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अपनी छतों पर सोलर पैनल लगाकर बिजली बनाने और उसका उपयोग करने की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस योजना से घरों के बिजली बिलों में कटौती तो हो ही रही है, इसके साथ-साथ अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर मुनाफा भी हो रहा है। गरमी, उमस भरी बरसात या ठंड जैसे प्रतिकूल मौसम में भी इस योजना से बिजली की आबाध आपूर्ति के साथ-साथ आर्थिक लाभ भी हो रहा है। कोरबा जिले के कटघोरा में पड़ोसी ने पड़ोसी को देखकर अपनी छत पर सोलर पैनल लगवाया है।

कटघोरा कस्बे में श्रीमती ज्योति अनंत और श्री गोरे सिंह राजपूत आसपास रहते हैं। श्रीमती ज्योति ने अपनी घर की छत पर सोलर पैनल लगवाकर अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया। उन्होंने बताया कि अब उनके घर के सभी उपकरण निर्बाध रूप से चल रहे हैं और घर की ऊर्जा का उत्पादन पूरी तरह आत्मनिर्भर है। ÷पहले गर्मी का मौसम चुनौतीपूर्ण लगता था, अब वही मौसम राहत और मुनाफा लेकर आता है। हम अपनी जरूरत की बिजली स्वयं बना रहे हैं और अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजकर आर्थिक लाभ भी अर्जित कर रहे हैं। उन्होंने योजना की सबसे बड़ी खासियत यह बताई कि यह पर्यावरण के लिए सुरक्षित और हरित ऊर्जा के लिए लाभकारी है। उनकी छत केवल बिजली उत्पादन का केंद्र ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और हरित छत्तीसगढ़ में योगदान का प्रतीक बन गई है। पड़ोसी से प्रेरित होकर श्री गोरे सिंह राजपूत ने भी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाया। उन्होंने बताया कि योजना के माध्यम से उनके घर की छत पर तीन किलोवाट का सोलर पैनल इंस्टॉल हुआ, जिसकी कुल लागत एक लाख 95 हजार रुपये थी और केंद्र सरकार की 78 हजार रुपये की सब्सिडी मिली। उन्होंने बताया कि अब उनका मासिक बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है और घर की विद्युत आपूर्ति के लिए वे पूरी तरह आत्मनिर्भर है। श्री राजपूत ने कहा, ÷सौर ऊर्जा अपनाकर हम न केवल अपने खर्च में संतुलन ला रहे हैं, बल्कि पर्यावरण की रक्षा में भी योगदान दे रहे हैं। इस योजना से हमारा जीवन आसान और आर्थिक रूप से सशक्त हुआ है। यह अनुभव अन्य स्थानीय निवासियों के लिए भी प्रेरणा बन रहा है÷धानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री श्री साय ने इस योजना के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराई है। इस पहल से परिवारों में आत्मनिर्भरता, आर्थिक स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिला है। श्रीमती ज्योति और श्री गोरे सिंह राजपूत ने योजना के लिए अपना हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया और भविष्य में इस तरह की योजनाओं के निरंतर लाभ की उम्मीद जताई।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना देश के आम नागरिकों के लिए स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बन चुकी है। योजना का उद्देश्य आम नागरिकों को हरित ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना, घरेलू खर्च में संतुलन लाना और आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाना है। इस योजना के तहत रियायती दरों पर सोलर पैनल उपलब्ध कराए जाते हैं और केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपये की सब्सिडी और राज्य सरकार से रूपये 30 हजार की राशि लाभार्थियों को प्रदान की जाती है। इससे न केवल आर्थिक राहत मिलती है, बल्कि परिवारों को उनकी बिजली की जरूरतों के लिए स्वतंत्रता भी मिलती है। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का लाभ लेने के लिए नागरिक सरल प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। योजना की वेबसाइट और स्थानीय प्रशासन कार्यालय इसके लिए मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। यह योजना पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा के प्रति नागरिकों में जागरूकता भी बढ़ा रही है। इससे सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा भी मिल रहा है।

सीएम से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि के प्रतिनिधि मण्डल की मुलाकात

वैश्विक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए दिया निमंत्रण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रतिनिधि मण्डल ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर रायपुर की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने मुख्यमंत्री श्री साय को आगामी 10 से 13 अक्टूबर तक माउण्ट आबू में आयोजित होने वाले वैश्विक शिखर महासम्मेलन में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया।मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधि मण्डल को इस आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा शांति, आध्यात्मिकता और मानवता के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्य अनुकरणीय हैं।भेंट के दौरान सविता दीदी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आगामी रायपुर प्रवास के दौरान नवा रायपुर, सेक्टर-20 स्थित शान्ति शिखर के नये भवन ÷एकेडमी फार ए पीसफुल वर्ल्ड- शान्ति शिखर÷ के लोकार्पण कार्यक्रम की जानकारी भी मुख्यमंत्री को दी। प्रतिनिधि मण्डल में ब्रह्माकुमारी सविता दीदी के साथ बीके रश्मि दीदी, बीके महेश डोडवानी और बीके हीरेन्द्र नायक भी उपस्थित रहे।

युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने हेतु भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान द्वारा प्रशिक्षण का आयोजन

रायपुर। लाइवलीहुड कॉलेज, जोरा (रायपुर) में उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह एक दिवसीय कार्यक्रम छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (श्वष्ठढ्ढढ्ढ), अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक जिला परियोजना अधिकारी ऋचा पाठक द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर जिला उद्योग केंद्र रायपुर के प्रबंधक संदीप वर्मा, डेविड देशमुख (क्कद्ब.ष्ठ शोधकर्ता), अभिषेक मैत्री (क्कस्र.ष्ठ शोधकर्ता), विक्की प्रसाद (क्कद्ब.ष्ठ शोधकर्ता), तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान से सीनियर प्रोजेक्ट ऑफिसर अरविंद कुमार द्विवेदी, डॉ. संदीप यादव (प्रोजेक्ट ऑफिसर) और हिमांशु कुमार (प्रोजेक्ट ऑफिसर) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और इच्छुक प्रतिभागियों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (रूस्रूश्व) क्षेत्र में स्वरोजगार एवं उद्यमिता के अवसरों के लिए तैयार करना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को उद्यमिता, व्यवसाय योजना निर्माण, विपणन रणनीतियाँ, वित्तीय प्रबंधन, शासकीय योजनाएँ एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग जैसी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से संदीप वर्मा ने विभिन्न शासकीय योजनाओं पर विस्तार से जानकारी साझा की। इस अवसर पर अरविंद कुमार द्विवेदी ने कहा- ÷यह कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य युवाओं को रोजगारदाता बनने के लिए प्रेरित करना है ताकि वे आत्मनिर्भर बनें और अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकें।÷ यह पहल युवाओं में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देने और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक सशक्त कदम साबित होगी।

छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन में निभाएगा अग्रणी भूमिका : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में ÷मेक-इन-सिलिकॉन÷ राष्ट्रीय सिंपोजियम ऑन एनेबलिंग इंडिजिनस सेमीकंडक्टर इन्फ्रास्ट्रक्चर÷ के पोस्टर और आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ किया। यह संगोष्ठी भारत में सेमीकंडक्टर मिशन को नई दिशा देने और देश में स्वदेशी तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने की पहल है।

ट्रिपल आईटी-नया रायपुर के निदेशक प्रो. ओमप्रकाश व्यास ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि यह राष्ट्रीय संगोष्ठी 7ङ्क8 नवम्बर 2025 को ट्रिपल आईटी-नया रायपुर में आयोजित होगी। इसमें देशभर के विशेषज्ञ, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, शिक्षाविद और नीति-निर्माता शामिल होंगे। संगोष्ठी का उद्देश्य भारत की घरेलू सेमीकंडक्टर व्यवस्था को मज़बूत बनाने के लिए ठोस रणनीति बनाना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ पूरी प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन में योगदान देगा। उन्होंने कहा कि युवाओं, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों को मिलकर नवाचार करना होगा और नेतृत्व की भूमिका निभानी होगी। उनके अनुसार, स्वदेशी सेमीकंडक्टर अधोसंरचना ही भारत की डिजिटल और आर्थिक मजबूती की नींव है। यह आयोजन भारत सरकार के ÷सेमीकंडक्टर इंडिया मिशन÷ और छत्तीसगढ़ सरकार की तकनीकी आत्मनिर्भरता की सोच के अनुरूप है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे प्रयास युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेंगे। इस अवसर पर संयोजक डॉ. मनोज मजूमदार, डॉ. दीपिका गुप्ता और आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

आदि कर्मयोगी अभियान से सशक्त होगा सुकमा, विलेज एक्शन प्लान पर फोकस

सुकमा । धरती आबा जनजातीय ग्रामीण उत्कर्ष अभियान योजना के अंतर्गत चल रहे आदि कर्मयोगी अभियान की प्रगति की समीक्षा हेतु जिला प्रभारी वी. के. तिवारी, असिस्टेंट मैनेजर, ट्राइबल मिनिस्ट्री ऑफ अफेयर्स, नई दिल्ली ने सुकमा जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और ग्रामीणों के साथ बैठक कर अभियान की रूपरेखा तथा भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की। वी के तिवारी ने जिले में चल रहे विकास कार्यों का फोटो दस्तावेजीकरण कर उनकी समीक्षा की और आने वाले वर्षों में योजनाओं को और प्रभावी बनाने पर बल दिया। उन्होंने ग्रामीणों को विलेज एक्शन प्लान के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि 2030 तक चिह्नांकित 277 ग्रामों को किस रूप में विकसित किया जा सकता है, इस दिशा में ठोस रणनीति बनाई जा रही है।

नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष का सस्पेंस खत्म, कांग्रेस के 5 पार्षदों ने बदल दिया पूरा खेल

संदीप साहू राजधानी रायपुर के नगर निगम में संभालेंगे नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी

रायपुर । रायपुर नगर निगम में लंबे समय से चल रहा नेता प्रतिपक्ष के पद का घमासान फिलहाल खत्म होता नजर आ रहा है, क्योंकि बिते दिनों इस मामले में बड़ा फैसला हुआ है, जिसके बाद यह तय हो गया है कि कांग्रेस के पार्षद संदीप साहू ही नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं आकाश तिवारी के नाम की अटकलें फिलहाल शांत हो गई है. क्योंकि कांग्रेस के 8 में से 5 पार्षदों ने संगठन की राय को दरकिनार करते हुए वर्तमान नेता प्रतिपक्ष संदीप साहू को ही समर्थन दिया है, जिसके बाद संदीप साहू ही राजधानी रायपुर के नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे. टिकट नहीं मिलने पर लड़े निर्दलीय चुनाव,अब भुगतना पड़ा खामियाजा दरअसल, छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता आकाश तिवारी को पार्टी ने पार्षद का टिकट नहीं दिया था, ऐसे में उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा और जीत हासिल की थी, चुनाव जीतने के बाद वह फिर से पार्टी में शामिल हो गए थे. लेकिन बाद में उनके और संदीप साहू के बीच नेता प्रतिपक्ष को लेकर विवाद शुरू हो गया. लेकिन बताया जा रहा है कि संदीप साहू को कांग्रेस के पांच पार्षदों का समर्थन मिला था, जिससे उनका पलड़ा भारी हो गया. इन पार्षदों का कहना है कि जिस नेता ने पार्टी के खिलाफ जाकर चुनाव लड़ा था, उसे हम नेता प्रतिपक्ष नहीं मानते हैं. इसलिए हम अपना पुराना फैसला ही मानेंगे और संदीप साहू को समर्थन देंगे। कांग्रेस का आपसी विवाद के चलते बनीं उहापोह की स्थिति वहीं इस मामले में सभापति सूर्यकांत राठौड़ का कहना है कि यह कांग्रेस पार्टी का आपसी विवाद है, पार्टी ने पहले संदीप साहू को नेता प्रतिपक्ष बनाया था, लेकिन बाद में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की तरफ से पत्र आया था, जिसमें उन्हें नेता प्रतिपक्ष नहीं बनाए जाने की बात कही गई, वहीं फिर एक पत्र आया जो कांग्रेस के जिलाध्यक्ष गिरीश दुबे का था, जिसमें आकाश तिवारी को नेता प्रतिपक्ष बनाने की बात कही गई थी. लेकिन कांग्रेस के ज्यादातर पार्षद संदीप साहू के समर्थन में हैं. ऐसे में फिलहाल वहीं नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री साय ने की बड़ी घोषणा -छत्तीसगढ़ से ओलंपिक में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को मिलेगा 21 लाख रुपये

मुख्यमंत्री साय छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा बैठक में हुए शामिल

रायपुर ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित सर्किट हाउस सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा की बैठक में शामिल हुए। इस दौरान बैठक में वर्ष 2024-25 की ऑडिट रिपोर्ट का अनुमोदन, वर्ष 2025-26 का वार्षिक बजट प्रस्तुतिकरण एवं अनुमोदन, वर्ष 2025-26 हेतु ऑडिटर की नियुक्ति सहित अन्य महत्वपूर्ण एजेंडा पर चर्चा की गई। छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब छत्तीसगढ़ से ओलंपिक में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 21 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। इन प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और निखारने के लिए हमारी सरकार निरंतर प्रयासरत है। हमने पूर्व में बंद हुए खेल अलंकरण समारोह को पुन- प्रारंभ किया है और जल्द ही उत्कृष्ट खिलाड़ी सम्मान समारोह भी प्रारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया के नए परिसरों की शुरुआत की गई है। कुछ महीने पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया का भी छत्तीसगढ़ आगमन हुआ था, जहां हमने उनसे खेल अधोसंरचना के विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की। विशेषकर ओलंपिक खेलों को लेकर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु हमने विशेष तैयारी की है। ओलंपिक खेलों में प्रदेश के स्वर्ण पदक विजेताओं को तीन करोड़ रुपये, रजत पदक विजेताओं को दो करोड़ रुपये तथा कांस्य पदक विजेताओं को एक करोड़ रुपये देने का निर्णय लिया गया है। स्वाभाविक रूप से इससे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि खेलों का बजट बढ़ाया जाए और कॉरपोरेट क्षेत्र की सहभागिता को भी प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वर्ष 2036 में हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने ओलंपिक खेलों के लिए भारत की मेजबानी का प्रस्ताव रखा है और अहमदाबाद शहर को इसके लिए प्रस्तावित किया गया है। स्वाभाविक रूप से केंद्र सरकार का पूरा ध्यान देश में खेलों की व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर है, ताकि एक दशक के भीतर हम खेलों के क्षेत्र में महाशक्ति के रूप में उभर सकें। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में भी हमें राष्ट्रीय स्तर के खेलों के आयोजन हेतु सामूहिक प्रयास करने होंगे। कैबिनेट मंत्री एवं संघ के उपाध्यक्ष केदार कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर ओलंपिक जैसी खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई है, जिससे सुदूर वनांचल की खेल प्रतिभाओं को एक सुनहरा मंच मिला है।

इस अवसर पर सचिवीय प्रतिवेदन का वाचन महासचिव विक्रम सिसोदिया ने किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष हिमांशु द्विवेदी, गजराज पगारिया एवं कोषाध्यक्ष संजय मिश्रा सहित खेल संघ से जुड़े पदाधिकारी एवं सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

रायपुर में हेरोइन के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, लाखों का माल जप्त

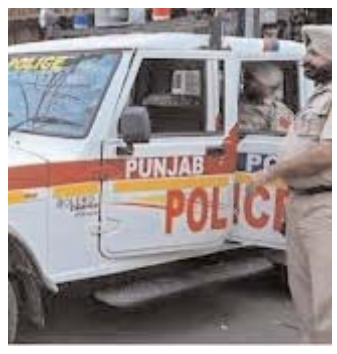

रायपुर। टिकरापारा पुलिस ने प्रतिबंधित मादक पदार्थ हेरोईन (चिट्टा) के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई देवपुरी स्थित कर्मा कॉम्प्लेक्स के पास की गई, जहाँ आरोपी नशे की खेप बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने मौके से 9.22 ग्राम हेरोईन (चिट्टा), एक इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल तराजू, तथा घटना में प्रयुक्त बुलेट वाहन जप्त किया है। जब्त कुल माल की कीमत लगभग ?2,40,222/- आँकी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया पकड़े गए आरोपियों के नाम जागृत साहू (23 वर्ष) निवासी श्रीनगर कॉलोनी, रुद्री (धमतरी), हाल निवासी कमल विहार, रायपुर। सत्यम सिंह (24 वर्ष) निवासी अमलीडीह, वैशाली कॉलोनी, थाना न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर हैं। इनके खिलाफ थाना टिकरापारा में अपराध क्रमांक 755/25 धारा 21(बी) नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर नशा विरोधी अभियान के तहत की गई। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अंतर्राज्यीय सप्लायर्स और स्थानीय नेटवर्क को तोड़ने हेतु विशेष निर्देश दिए गए हैं, जिसके अंतर्गत पुलिस की सक्रियता लगातार बनी हुई है। पुलिस के अनुसार, इस प्रकार की कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार भारत

भारत की प्रगति की रोज नई-नई खबरें आने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में अब भारत ने जापान को पीछे छोड़ कर दुनिया के ऑटोमोबाइल बाजार में धमाकेदार दस्तक दी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बन गया है, और अगले पांच साल में इस बाजार में पहले नंबर पर आने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय वैल्यू शिखर सम्मेलन, 2025 में उस रोडमैप का ब्योरा भी दिया जिसके तहत भारत को ऑटोमोबाइल विनिर्माण, हरित गतिशीलता और बुनियादी ढांचे के नवाचार के लिए दुनिया के अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करने की महत्त्वाकांक्षी योजना है। गडकरी के अनुसार सभी प्रमुख वैंकि ऑटोमोबाइल ब्रांड अब भारत में मौजूद हैं। इन ब्रांडों का ध्यान अब असेंबलिंग करने से हट कर भारत से दुनिया भर में वाहनों के निर्यात पर केंद्रित हो गया है।

आई लव मोहम्मद की हकीकत और साज़िशों का सच

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

इस्लाम धर्म में बुतपरस्ती यानी मूर्तिपूजा को कड़ाई से हराम घोषित किया गया है। पैग़म्बर साहब की किसी तस्वीर, चित्र या मूर्ति बनाने पर हमेशा से पाबंदी रही है, क्योंकि इस्लाम का मूल संदेश एक ईश्वर की इबादत पर आधारित है, न कि किसी प्रतिमा या चित्र की पूजा पर। लेकिन इन दिनों उत्तर प्रदेश में नए तरह का चलन देखने को मिल रहा है, जिसमें जगह-जगह आई लव मोहम्मद लिखे बैनर और पोस्टर लगाए जा रहे हैंमोहम्मद साहब के नाम पर समाज का माहौल खराब करने सहित दंगा फैलाया जा रहा है। सवाल यह है कि जब पैग़म्बर की तस्वीर तक बनाना मना है, तब क्या इस तरह के भावनात्मक नारे लगाकर धार्मिक और राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिशें जायज़ मानी जा सकती हैं? पैग़म्बर मोहम्मद साहब ने अपने जीवनकाल में तौहीद का संदेश दिया था। उन्होंने हर तरह की बुतपरस्ती और चित्र या मूर्ति पूजा का खंडन किया। लेकिन आई लव मोहम्मद जैसी कार्यवाहियाँ इस्लाम की उसी मूल भावना से टकराती नज़र आती हैं। यहाँ सवाल यह नहीं कि मोहम्मद साहब के प्रति प्रेम या आदर किया जा रहा है, बल्कि यह है कि उस प्रेम को किस रूप में प्रदर्शित किया जा रहा है। इस्लाम में अपने पैग़म्बर से मोहब्बत दिखाने का तरीका उनके बताए मार्ग पर चलना और अमल करना है, न कि नारेबाज़ी और पोस्टरों से हंगामा खड़ा करना। कानपुर से आई लव मोहम्मद के पोस्टर से जो चिंगारी निकली थी बरेली में उसने उग्र रूप धारण कर लिया। उपद्रवियों ने जम कर हिंसा और लूटपाट की। इस अराजकता के लिये विवादित मुस्लिम मौलाना तौकीर रजा सीधे तौर पर उतरदायी हैंबरेली में तौकीर रजा सहित दंगा फैलाने वालों पर कार्रवाई के बाद इस समय वहां तनावपूर्ण शांति है। बीते कुछ महीनों से उत्तर प्रदेश के कई शहरों में आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर, दीवारों पर बने बड़े-बड़े बैनर और झंडे देखने को मिल रहे हैं। इन बैनरों को लगाने का नाम भले ही धार्मिक प्रेम दिखाना बताया जा रहा हो, लेकिन जानकारों का मानना है कि इसके पीछे गहरी राजनीतिक नीयत छिपी हुई है। यह सिर्फ साधारण नारा नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी साज़िश है जिसमें धार्मिक भावनाओं को भड़काकर समाज में तनाव पैदा किया जा रहा है। इन बैनरों का उद्देश्य केवल अपने समुदाय में धार्मिक जोश जगाना नहीं, बल्कि दूसरे धर्मों के लोगों को उकसाना भी है। सार्वजनिक जगहों पर लगाए जाने वाले ये पोस्टर जब किसी अन्य संप्रदाय के इलाके में लगाए जाते हैं, तो स्वाभाविक रूप से टकराव की स्थिति बनती है। उत्तर प्रदेश के कई कस्बों और शहरों में यही देखने को मिला। मोहल्लों में एक वर्ग जब आई लव मोहम्मद के झंडे या बैनर लेकर निकलता है, तो दूसरा वर्ग इसे उकसावे की कार्रवाई मानता है। धीरे-धीरे माहौल गरमाने लगता है और छोटे-छोटे विवाद बड़े दंगों में बदल जाते हैं।

गौरतलब है कि प्रदेश की कानून व्यवस्था लंबे समय से धार्मिक तनावों को लेकर चुनौती झेल रही है। प्रशासन अक्सर नारे लगाने और पोस्टर चिपकाने वालों के खिलाफ सख्ती नहीं दिखाता, क्योंकि इसे धार्मिक भावनाओं से जुड़ा मामला बना दिया जाता है। लेकिन सवाल ये उठता है कि जब इस्लामी शिक्षाओं में चित्र और मूर्ति जैसी चीज़ों का कोई स्थान नहीं है, तो फिर इन पोस्टरों को धार्मिक स्वतंत्रता कैसे माना जा सकता है? यह स्पष्ट है कि प्रशासन की शिथिलता के कारण ही ये साज़िशें परवान चढ़ रही हैं। धार्मिक नारों और बैनरों का दूसरा बड़ा पहलू राजनीति से जुड़ा हुआ है। हर चुनावी मौसम में समुदाय विशेष की भावनाओं को भड़काकर वोट पाना एक आम चलन बन चुका है। आई लव मोहम्मद आंदोलन भी यही खेल लगता है। आम लोगों की आस्था को हथियार बनाकर न केवल वातावरण दूषित किया जा रहा है, बल्कि दंगे-फसादों का डर दिखाकर राजनैतिक गोलबंदी भी की जा रही है। इन घटनाओं के कारण समाज के आम नागरिक लगातार दहशत में जी रहे हैं। जिन इलाकों में पोस्टर लगाए जाते हैं, वहां तनाव फैल जाता है।

अमेरिकी आत्मघाती वीजा बंदिशें, भारत के नये अवसर

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के पेशेवरों, खासकर भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीज़ा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा-प्रवास और अमेरिका-भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म-निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा है। इसलिये अमेरिका के निर्णय से ज्यादा परेशान होने की बजाय इसको सकारात्मक दृष्टि से लेने की जरूरत है।

निश्चित ही अमेरिका दशकों से अवसरों की भूमि माना जाता रहा है। यहां आने का सपना रखने वालों के लिए एच1बी वीज़ा एक सुनहरा टिकट एवं उन्नत जीवन का आधार रहा है। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ इस वीज़ा के माध्यम से अमेरिका जाकर अपने सपनों को साकार करते रहे हैं। सिलिकॉन वैली की चमक और वहां भारतीय प्रतिभाओं का वर्चस्व इसका जीता-जागता प्रमाण है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम और फेसबुक जैसी दिग्गज कंपनियों में उच्च तकनीकी पदों पर भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति सर्वाधिक है। भारतीय आईटी पेशेवरों के बिना अमेरिकी तकनीकी जगत की कल्पना करना कठिन है। एच-1 बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि का फैसला भारतीय आइटी कंपनियों के साथ अमेरिकी हितों को भी चोट पहुंचाने वाला है। इनमें आइटी सेक्टर से इतर क्षेत्र की कंपनियां भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि उनके फैसले की आलोचना अनेक अमेरिकी ही कर रहे हैं। यदि ट्रंप यह सोच रहे हैं कि एच-1बी वीजा धारकों की फीस एक हजार डालर से एक लाख डालर सालाना करने से भारतीय और अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के युवाओं को नौकरी देने के लिए बाध्य हो जाएंगी तो यह उनकी भूल है, क्योंकि इन कंपनियों को जैसे और जितने सक्षम युवा पेशेवर चाहिए, वे अमेरिका में हैं ही नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी भूल रहे हैं कि अमेरिका के आर्थिक विकास में अप्रवासियों विशेषतः भारतीय प्रतिभाओं का सर्वाधिक योगदान है और यह केवल पेशेवर लोगों का ही नहीं, बल्कि कामगारों का भी है।

भले ही ट्रंप प्रशासन का यह आदेश उनकी ÷अमेरिका फर्स्ट÷ नीति की अगली कड़ी है। उनका तर्क है कि विदेशी पेशेवर सस्ते श्रम के रूप में अमेरिकी नागरिकों की नौकरियां छीन रहे हैं। शुल्क इतना अधिक करके वे चाहते हैं कि केवल वही विदेशी पेशेवर अमेरिका आएं, जो न केवल उच्च योग्यता रखते हों बल्कि भारी शुल्क अदा करने की क्षमता भी रखते हों। लेकिन यह कदम अमेरिका के लिये ही आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवरों की भारी ज़रूरत है और भारतीय आईटी पेशेवरों की कमी वहां सीधे तौर पर नवाचार और प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगी। ट्रंप के फैसले को आपदा नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखना चाहिए।

पहले भारतीय प्रतिभा अमेरिका की ओर बहती थी, अब यह प्रवाह कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की ओर मुड़ सकता है। छात्र और युवा पेशेवर पहले से ही अमेरिकी वीज़ा नीतियों को लेकर असमंजस में रहते थे। अब यह आदेश उनके आत्मविश्वास और योजनाओं को और झकझोर देगा। हालांकि एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि कई युवा भारत में ही स्टार्टअप्स, शोध और नई तकनीक के क्षेत्रों में काम करने की ओर आकर्षित होंगे। भारत पर इस नीति का असर केवल युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक असर डाल सकता है। भारतीय आईटी कंपनियां जैसे इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो आदि अमेरिका में बड़े पैमाने पर कार्यरत हैं। एच1बी वीज़ा पर निर्भरता ज्यादा होने के कारण उनका खर्च बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी। भारतीय पेशेवर हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, वीज़ा बाधाओं से यह प्रवाह घटेगा। हजारों भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा लेकर वहीं काम करने का सपना देखते हैं। अब शुल्क की बाधा उनके लिए अमेरिका को कम आकर्षक बनाएगी। साथ ही भारत में ही वैश्विक स्तर के शोध और नवाचार केंद्र विकसित करने की संभावना भी बढ़ेगी।

अमेरिका और भारत के संबंध बीते दो दशकों में आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी सहयोग की नई ऊँचाइयों पर पहुंचे हैं। अमेरिका ने भारत को रणनीतिक साझेदार माना है। रक्षा, व्यापार और तकनीक में गहरे संबंध बने हैं और भारतीय प्रवासी अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन ट्रंप के निर्णय से यह संदेश गया है कि अमेरिका भारत को साझेदार तो मानता है, लेकिन जब घरेलू राजनीति का दबाव आता है तो साझेदारी पीछे छूट जाती है। भारत-अमेरिका संबंधों का आधार लोगों से लोगों का संपर्क रहा है। यदि भारतीय पेशेवर अमेरिका में कम होते हैं तो यह आधार कमजोर होगा। इन जटिल से जटिलतर होती स्थितियों में भारतीय कंपनियों को देश में ही अपना कारोबार बढ़ाने के जतन करने चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में ट्रंप कुछ और ऐसे कदम भारतीय हितों को आहत करने वाले उठा सकते हैं। उन्होंने भले ही टैरिफ के मामले में लचीला रवैया अपनाते हुए भारत से शीघ्र व्यापार समझौता होने की संभावना जताई हो, लेकिन वे अब भी भारतीय हितों के विपरीत काम करते दिख रहे हैं। वे केवल यही दबाव नहीं बना रहे कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करे, बल्कि उन्होंने ईरान के चाबहार बंदरगाह में भारत के लिए मुसीबत खड़ी करने का काम किया है। ट्रंप अपने फैसलों को इस रूप में रेखांकित कर रहे हैं कि उनसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पंख लग जाएंगे, लेकिन आठ माह का उनका कार्यकाल उनकी नाकामी ही बयान कर रहा है।

चौंकाने वाले फैसले लेना भले ही ट्रंप की आदत हो, लेकिन सेवा क्षेत्र में पहली बार अपनी संरक्षणवादी नीति के दर्शन करा, वह भूल रहे हैं कि अमेरिका को बनाने में अप्रवासियों की बड़ी भूमिका रही है। सिलिकॉन वैली के करीब एक-तिहाई टेक-कर्मचारी भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्यून 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में शीर्ष पर भारतीय बैठे हैं, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इंजन भी हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे, जिनका कुल मूल्य करीब 195 अरब डॉलर आंका गया था। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। अमेरिकी आबादी में बमुश्किल डेढ़ फीसदी होने के बावजूद भारतीय पांच से छह फीसदी कर अदा करते हैं। नैसकॉम का यह कहना उचित ही है कि एच-1बी वीजा जैसे फैसलों का नकारात्मक असर अमेरिका में नवाचार के माहौल और रोजगार आधारित अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

दुनिया के अन्य देशों की नीतियों से तुलना की जाए तो कनाडा प्रवासी पेशेवरों और छात्रों को आकर्षित करने के लिए वीज़ा और स्थायी निवास की नीतियों को सरल बना रहा है। जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया तकनीकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए रेड कार्पेट बिछा रहे हैं, जबकि अमेरिका उल्टा रास्ता चुन रहा है जो दीर्घकाल में उसे वैश्विक प्रतिभा की कमी की ओर धकेल सकता है। भारत के लिए यह अवसर है कि वह प्रतिभाओं के पलायन को रोकने के लिए अपनी नीतियों और बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाए। शिक्षा, शोध और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर भारत अमेरिका के विकल्प के रूप में उभर सकता है। अमेरिका के लिए यह कदम उसके उस आदर्श को धूमिल करेगा जिसके अनुसार वह इमिग्रेशन की भूमि कहलाता है और उसकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता को कमजोर करेगा। रवींद्रनाथ टैगोर की ये पंक्तियाँ यहां सार्थक लगती हैं-÷स्वतंत्रता वह है, जहां ज्ञान निर्भय होता है और दुनिया सीमाओं से विभाजित नहीं होती।÷ अमेरिका की यह दीवार प्रतिभा की उड़ान को थाम नहीं पाएगी। भारतीय युवाओं को अब अपने ही देश को अवसरों की भूमि में बदलना होगा।

यह निजी विचार है ।

व्यापार में सुगमता बढ़ाने से अभूतपूर्व निवेश आकर्षित हो सकता है

डॉ. सौम्य कांति घोष

हाल ही में वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भारत पर भरोसा दोहराया है। यह भरोसा भारत की अर्थव्यवस्था की उस मजबूत संरचना को साबित करता है, जो पिछले कुछ वर्षों में कठिन मेहनत से तैयार की गई है। इससे व्यापार को लेकर उठने वाला संदेह और शोर-शराबा भी शांत हुआ है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि संपत्ति का बराबर बंटवारा हो और सभी को समान अवसर मिलें, सरकार ने एण्डक्यूयूओटी;बारबेल रणनीति एण्डक्यूयूओटी; अपनाई है। इसके तहत नीतियों और नियमों में कई तरह के सुधार किए जा रहे हैं, ताकि ईज ऑफ बिज़नेस के अलग-अलग स्तंभ मज़बूत हों। साथ ही, बड़े पैमाने पर औपचारिकीकरण, वित्तीयकरण और तकनीकी एकीकरण को ज़रूरी बनाया गया है।यह निवेश आकर्षित करने और अन्य देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा में आगे निकलने के लिए अनिवार्य है।

महामारी के बाद भू-राजनीतिक हालात ने मैन्युफैक्चरिंग के तरीके बदलने की ज़रूरत पैदा कर दी। इसी के चलते भारत ने एक नई राह पकड़ी है, जहां एण्डक्यूयूओटी;ईज ऑफ एग्ज़िट एण्डक्यूयूओटी; यानी व्यापार से बाहर निकलने की आसानी पर जोर दिया जा रहा है। यह निवेशकों के लिए बहुत अहम है क्योंकि वे पूंजी लगाते समय इस सुविधा को

देखते हैं। साल 2000 से अब तक भारत में 1 ट्रिलियन डॉलर से ज़्यादा का एफडीआई आया है, जिसमें सेवाएं, तकनीक और टेलीकॉम जैसे क्षेत्र सबसे ज़्यादा लाभान्वित हुए हैं (वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही तक ही लगभग 25 अरब डॉलर निवेश आया है)।

जब सेबी विश्वसनीय विदेशी निवेशकों के लिए एकल खिड़की स्वचालित एवं सामान्यीकृत पहुंच (स्वागत-एफआई) लागू करता है, कम जोखिम वाले माने जाने वाले प्रमुख विदेशी निवेशकों के लिए पहुंच को सरल बनाता है, या आरबीआई फेमा दिशानिर्देशों में बहुप्रतीक्षित बदलाव लाता है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में रुपये का उपयोग बढ़ता है, तो अटलांटिक पार से आने वाली हलचलें अविस्मरणीय होती हैं। संस्थागत सुधारों की सफलता आईबीसी, संपत्ति पुनर्निर्माण, इंफ्रा फाइनेंसिंग और बैंकिंग, बीमा व वित्तीय सेवाओं में एण्डक्यूयूओटी;प्लग-एंड-प्लेएण्डक्यूयूओटी; मॉडल के रूप में दिखती है। इन क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का तेज़ी से बढ़ता इस्तेमाल इसे और मज़बूत बना रहा है।

जनसंख्या के पैमाने पर कई नीतिगत कदम उठाए गए हैं, जैसे पीएमएवाई (3.2 करोड़ घरों को मंजूरी), मुद्रा(कुल 52 करोड़ से अधिक खातों में 33.65 लाख करोड़ रुपये मंजूर किए गए, जिसमें 68 प्रतिशत महिला उद्यमी हैं),पीएम-स्वनिधि (96 लाख से अधिक ऋण खातों के माध्यम से 68 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को कवर किया गया), उद्यम (उद्यम सहायता पोर्टल की गणना करते हुए 6.86 करोड़ से अधिक एमएसएमई पंजीकरण), श्रम सुविधा (2018 से 6.63 लाख ईएसआईसी पंजीकरण, 6.49 लाख ईपीएफओ पंजीकरण और फर्मों द्वारा 1.29 लाख अनुबंध श्रमिक पंजीकरण के साथ श्रम और रोजगार पोर्टल का अनुपालन), स्वामित्व (ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एकीकृत आवासीय संपत्ति स्वामित्व समाधान जिसमें 9 3.20 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है), नक्शा (प्रारंभ में 150 शहरों में पायलट कार्यक्रम के साथ शहरी भूमि पार्सल का व्यापक, जीआईएस-एकीकृत डेटाबेस, जिसे पूरे भारत में 4,912 शहरी स्थानीय निकायों तक विस्तारित किया जाएगा), एसएएससीआई (केन्द्र से राज्यों को पूंजीगत व्यय के लिए 50-वर्षीय ब्याज-मुक्त ऋण) और औपचारिकीकरण भी लगातार बढ़ रहा है। इन सारी योजनाओं ने मिलकर भारत की मेहनत और लचीलापन दोनों को नई ताक़त दी है। इससे पहले शुरू की गई कई योजनाओं को मजबूती मिली है, स्मार्ट सिटी मिशन से लेकर हर घर जल, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई), पीएम किसान सम्मान निधि से लेकर आयुष्मान भारत योजना तक। इन योजनाओं का असर सिर्फ़ आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि नए निवेश को आगे बढ़ाने और सहारा देने में भी दिख रहा है।

2021 से अब तक जीएसटी संग्रह 1.9 गुना बढ़ा है (94 प्रतिशत की वृद्धि), कॉर्पोरेट टैक्स संग्रह 2.2 गुना बढ़ा है (116 प्रतिशत की वृद्धि), इनकम टैक्स वसूली 2.42 गुना बढ़ी है (143 प्रतिशत की वृद्धि), टैक्स देने वालों की संख्या 1.4 गुना (37 प्रतिशत वृद्धि) बढ़ी है, यानी लगभग 2.5 करोड़ नए करदाता जुड़े हैं। खास बात यह है कि निचले वर्ग के करदाता अब धीरे-धीरे ऊंचे स्तर पर पहुंच रहे हैं। इसके अलावा, कंपनियों का मुनाफ़ा (बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं को छोड़कर) 2021 से अब तक 2.4 गुना यानी लगभग 136 प्रतिशत बढ़ा है।

कंपनियों के औपचारिककरण को और बढ़ावा देने के लिए, वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत में 1.85 लाख से अधिक कंपनियाँ बनीं। वहीं, 2024-25 में शुरुआती आंकड़े लगभग 1.63 लाख कंपनियों के पंजीकरण को दिखाते हैं। इसके साथ ही, वर्तमान में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज(आरओसी) में लगभग 18.5 लाख सक्रिय कंपनियां दर्ज हैं। लेकिन भारत ने करीब 8.5 लाख निष्क्रिय/अप्रचालित कंपनियों को अपने रिकॉर्ड से हटा दिया है। इससे यह साफ़ होता है कि भारत बेनामी और फर्जी कंपनियों को प्रणाली से बाहर करने के लिए प्रतिबद्ध है। मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद को वित्तपोषण से रोकने (सीएफटी) के मोर्चे पर भारत के निरंतर प्रयासों की पिछले साल वैश्विक निगरानी संस्था ने सराहना की थी। नवाचार (इनोवेशन) के क्षेत्र में हाल के वर्षों में भारत ने गहरी छाप छोड़ी है। कॉपीराइट, पेटेंट, बौद्धिक संपदा और ट्रेडमार्क के मामले में भारत की वृद्धि दर अब विकसित देशों के बराबर खड़ी है। पश्चिमी देशों का दबदबा अब चीन की वजह से कमजोर हुआ है, क्योंकि चीन के पास महत्वपूर्ण तकनीक और दुर्लभ खनिजों में बढ़त है। ऐसे में हमें इस बेहद अहम क्षेत्र पर खास ध्यान देना होगा और शिक्षा जगत, संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग का एक गतिशील मॉडल आगे बढ़ाना होगा। गौर करने वाली बात है कि भारत के स्टार्ट-अप्स ने सरकार के सहयोग (अर्थात स्टार्टअप्स के लिए फंड ऑफ फंड्स) और फंडिंग सहायता से अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक संकट और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं के बाद आई च्फ्फंडिंग विंटरज्ज (निवेश की कमी) से बाहर निकलने में सफलता पाई। कई सफल स्टार्ट-अप्स ने सार्वजनिक निर्गम(पब्लिक ऑफरिंग) के ज़रिए पूंजी बाजार में

प्रवेश किया है। 2014-15 से अब तक मुख्य बोर्ड पर 764 सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ, एफपीओ, ओएफएस आदि) और एसएमई प्लेटफॉर्म पर 1200 से ज़्यादा निर्गम (इस साल तक) हुए हैं। इसने यह साबित किया है कि पूंजी बाज़ार निवेशकों को आसानी से एण्डक्यूयूओटी;एग्ज़िटएण्डक्यूयूओटी; (निवेश से बाहर निकलने) का रास्ता देने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। पूंजी के इस चक्रीय प्रवाह और उसके गुणक प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि नई और छोटी कंपनियां भी अपने विकास के अलग-अलग चरणों में फंडिंग तक पहुँच बना सकें।

भारत को वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों (वर्तमान उभरते बाजारों के सूचकांकों से एक महत्वपूर्ण क्षण) में शामिल करने पर विचार किया जा रहा है, जिसके लिए हमारे ऋण बाजार को नए सिरे से संतुलित करना जरूरी होगा होगा, साथ ही, बहु-आयामी ढांचे (एनआईपी, एनएमपी, पीएम गति शक्ति) के लिए बड़े पैमाने पर फंडिंग की आवश्यकता होगी।इसलिए अब भारतीय निजी कंपनियों को वैश्विक सोच अपनानी होगी, दुनिया भर में ब्रांड इंडिया की मजबूत पहचान बनानी होगी और भारतीय प्रवासी समुदाय की बड़ी प्रतिभा को साथ जोड़कर तेज़ और साझी प्रगति की दिशा में बढ़ना होगा।

(लेखक 16वें वित्त आयोग के सदस्य, पीएमईएसी (प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद) के सदस्य और भारतीय स्टेट बैंक के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइज़र हैं। यहां व्यक्त विचार उनके निजी हैं।)

देवी-शक्ति की उपासना का पर्व नवरात्र

डा. घनश्याम बादल

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े पर्वों में से एक माने जाने वाले नवरात्र शुरू हो गए हैं। नौ दिन तक तन-मन की शुद्धि के लिए किए जाने वाले नवरात्र व्रत धार्मिक कर्मकांड मात्र नहीं हैं अपितु वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी रखते हैं, और प्रतीक रूप में गहरा संदेश देते हैं। नवरात्र का शाब्दिक अर्थ है नौ रातें और यह देवी-शक्ति की उपासना का पर्व है। यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र और शारदीय नवरात्रि मनाया जाता है। धार्मिक दृष्टि से यह शक्ति की आराधना और असुर शक्तियों पर विजय का प्रतीक है, परंतु यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि स्त्री-शक्ति, नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्थान का उत्सव भी है।

आज के समय में जब समाज महिला असमानता, सामाजिक भेदभाव, पर्यावरण संकट, नैतिक पतन आदि अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, तब नवरात्र हमें अवसर देते हैं कि इन समस्याओं पर सामूहिक रूप से विचार करें और समाधान खोजें। नवरात्र की कथा के अनुसार, दुर्गा देवी ने महिषासुर जैसे राक्षस का वध कर देवताओं और मानवता को अत्याचार से मुक्ति दिलाई। यह कथा इस बात का प्रतीक है कि जब अत्याचार अपनी सीमा पार कर लेते हैं, तो समाज में सकारात्मक शक्ति का उदय होता है।

यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। चाहे सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष हो, अन्यायपूर्ण व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाना हो या व्यक्तिगत जीवन में नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय पाना। ये नौ देवियां धार्मिक प्रतिमाएं मात्र नहीं अपितु आधुनिक प्रतीक भी हैं। यदि इन्हें आधुनिक दृष्टि से देखें तो प्रत्येक देवी एक मानवीय मूल्य और सामाजिक आदर्श का प्रतीक है। एक नई दृष्टि के साथ इन देवियों के आधुनिक प्रतीको एवं अथरे पर दृष्टि डालते हैं। शैलपुत्री-पर्वतपुत्री शैलपुत्री धरती और प्रकृति से जुड़ाव की प्रेरणा देती हैं।

आज जब पर्यावरण संकट बढ़ रहा है, यह देवी हमें बताती हैं कि हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए और टिकाऊ जीवन शैली अपनानी चाहिए। देवी ब्रह्मचारिणी-तपस्या और अनुशासन की प्रतीक हैं, जो संदेश देती हैं कि शिक्षा, आत्मसंयम और स्पष्ट जीवन-दृष्टि से ही प्रगति संभव है। चंद्रघंटा-साहस और वीरता की देवी हैं, जो सिखाती हैं कि समाज में अन्याय, अपराध और शोषण के खिलाफ निडर होकर खड़ा होना चाहिए। कुष्मांडा-सृष्टि की रचयिता कुष्मांडा आधुनिक युग में रचनात्मकता, नवाचार और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक हैं। स्कंदमाता-मातृत्व और पालन-पोषण की प्रतीक हैं, जो हमें याद दिलाती हैं कि अगली पीढ़ी को अच्छे संस्कार देना हमारा कर्तव्य है।

कात्यायनी-दमन और अन्याय के अंत की प्रतीक हैं, जो महिला सशक्तिकरण और न्यायपूर्ण समाज के लिए संघर्ष की प्रेरणा देती हैं। कालरात्रि-अंधकार का नाश करने वाली देवी कालरात्रि हमें अज्ञान, अंधविश्वास और कुरीतियों के विरु द्ध जागरूकता फैलाने का संदेश देती हैं। मां महागौरी-पवित्रता और शांति की प्रतीक हैं, और समाज में स्वच्छता, समानता और मानसिक शांति का आदर्श प्रस्तुत करती हैं। सिद्धिदात्री जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है ज्ञान, उपलब्धि और परिपूर्णता की प्रतीक देवी हैं, जो प्रेरित करती हैं कि हम कौशल और ज्ञान से आत्मनिर्भर और समर्थ बनें। इन नौ देवियों को यदि हम नौ सामाजिक स्तंभ मानें तो नवरात्रि हमें आत्म सुधार और समाज सुधार की एक पूरी रूपरेखा प्रदान करती है।

सामाजिक सुधार की दृष्टि से भी नवरात्र का महत्व कम नहीं है। नवरात्रि का मूल ही स्त्री-शक्ति की उपासना है। नवरात्र में हम संकल्प लें कि बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। महिला उत्पीड़न, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा जैसी समस्याओं के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाना है, यह संकल्प ही इस पर्व को सार्थक बना सकता है। नवरात्रि आत्म शुद्धि का समय है। अवसर है कि हम अंधविश्वास, जातिवाद, छुआछूत, नशाखोरी और सामाजिक भेदभाव जैसी बुराइयों को समाप्त करने की प्रतिज्ञा लें। प्रकृति अपने आप में देवी का स्वरूप है। अतः नवरात्र में वृक्षारोपण, प्लास्टिक-मुक्त अभियान और जल-संरक्षण का संदेश समाज को दिया जा सकता है।

पूजा में इको-फ्रेंडली सामग्री का प्रयोग करके यह पर्व पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकता है। नवरात्रि में सामूहिक आयोजन जाति, धर्म और वर्ग भेद मिटाने के अवसर होते हैं। ऐसे में सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जा सकते हैं, जो समाज को जोड़ने का काम करें। नवरात्रि में व्रत-उपवास का अपना ही महत्त्व है। इसे केवल धार्मिक नियम न मान कर स्वस्थ जीवन शैली, नशा-मुक्ति और मानसिक शांति का अभ्यास बनाया जा सकता है। अतः कहा जा सकता है कि नवरात्रि धार्मिक पर्व मात्र नहीं है, बल्कि आत्म-संयम, सामाजिक जागरूकता और परिवर्तन का अवसर है। यदि हम नवरात्रि को सामाजिक सुधार की दृष्टि से मनाएं तो यह पर्व महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम बन सकता है।

यह निजी विचार है।

संविधान का व्याख्याकार, नागरिक अधिकारों का संरक्षक और न्याय का सजग प्रहरी बनकर खड़ा है उच्च न्यायालय : राज्यपाल श्री रमेन डेका

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का रजत जयंती समारोह

इन्फ्रास्ट्रक्चर और संसाधनों की उपलब्धता के साथ समय पर न्याय उपलब्ध कराने राज्य सरकार कटिबद्धः मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

आमजनों का विश्वास प्राप्त करना न्यायपालिका का सर्वोत्तम उद्देश्यः न्यायाधीश श्री माहेश्वरी

लोकशक्ति। रायपुर,

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की स्थापना का रजत जयंती समारोह' का आयोजन राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने मुख्य अतिथि श्री रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू को पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव एवं श्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी, विधि मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने रजत जयंती समारोह पर केंद्रित स्मारिका का विमोचन भी किया।

मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि इस गौरवशाली अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की रजत जयंती समारोह में आप सभी को संबोधित करना मेरे लिए अत्यंत सम्मान और गर्व का विषय है। 1 नवम्बर 2000 को जब छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना हुई, तब शासन के साथ-साथ न्याय के क्षेत्र में भी एक नई शुरुआत हुई। इस राज्य के जन्म के साथ ही इस महान संस्थादृछत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर की स्थापना हुई। तभी से यह न्यायालय संविधान का व्याख्याकार, नागरिक अधिकारों का संरक्षक और न्याय का प्रहरी बनकर खड़ा है। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने लोक अदालत के अंतर्गत लंबित मामलों के हो रहे त्वरित निराकरण के लिए न्यायपालिका की सराहना की। उन्होंने न्यायपालिका में नैतिकता, सुदृढ़ीकरण और न्यायपालिका के लंबित मामलों को कम कर आम जनों को त्वरित न्याय उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने कहा कि न्याय केवल सामर्थ्यवान लोगों के लिए ही उपलब्ध नहीं हो बल्कि गांव गरीब एवं आमजनों के लिए भी सर्व सुलभ न्याय उपलब्ध हो तभी इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका की भूमिका सार्थक बनेगी।

उन्होंने कहा कि हम उन दूरदर्शी व्यक्तित्वों और संस्थापकों को कृतज्ञतापूर्वक नमन करते हैं, जिन्होंने इस न्यायालय की नींव रखी। प्रथम मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति डब्ल्यू.ए. शिशक और उनके उत्तराधिकारियों ने इस नवगठित न्यायालय को गरिमा, विश्वसनीयता और सशक्त न्यायिक परंपरा प्रदान की। इसी प्रकार अधिवक्ताओं, न्यायालय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की निष्ठा और परिश्रम ने इस संस्था को पच्चीस वर्षों तक सुदृढ़ बनाए रखा। इन वर्षों में न्यायालय ने संवैधानिक नैतिकता, नागरिक स्वतंत्रता, आदिवासी अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, सुशासन और सामाजिक न्याय जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय दिए। इसने छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचानदृउसके जंगल, खनिज, संस्कृति और वंचित समुदायों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया। विकास और अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करते हुए इसने यह सुनिश्चित किया कि प्रगति कभी भी न्याय की कीमत पर न हो।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा कि हमारा प्रदेश छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना की रजत जयंती मना रहा है। यह शुभ अवसर हमारे हाईकोर्ट की रजत जयंती का भी है। यह वर्ष हमारी विधानसभा का रजत जयंती वर्ष भी है। इन सभी शुभ अवसरों पर मैं आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बिलासपुर की नगरी को एक नई पहचान दी है। इस शुभ अवसर पर हम भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री एवं हमारे राज्य के निर्माता श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिनकी दूरदर्शिता से छत्तीसगढ़ राज्य एवं छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की स्थापना संभव हो सकी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर और संसाधनों की उपलब्धता के साथ ही हम किसी भी हालत में समय पर न्याय उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध हैं। इसी क्रम में हमने वर्ष 2023-24 की तुलना में विधि एवं विधायी विभाग के बजट में पिछले साल 25 प्रतिशत और इस वर्ष 29 प्रतिशत बढ़ोतरी की है। यह पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि इस पीठ के न्यायाधीश जस्टिस ए.एम. खानविलकर, जस्टिस श्री नवीन सिन्हा, जस्टिस श्री अशोक भूषण, जस्टिस श्री भूपेश गुप्ता और जस्टिस श्री प्रशांत कुमार मिश्रा जैसे न्यायाधीश देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुँचे। न्यायिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने वर्चुअल कोर्ट और लाइव स्ट्रीमिंग जैसे डिजिटल नवाचारों को बढ़ावा दिया है। साथ ही डिजिटल रिकॉर्ड रूम, आधार आधारित सर्च और न्यायिक प्रशिक्षण के नए माड्यूल भी अपनाये जा रहे हैं। अपने 25 वर्षों की इस गौरवशाली यात्रा में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने ऐसे उल्लेखनीय फैसले दिये हैं जो देश भर में नजीर के रूप में प्रस्तुत किये जाते हैं। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की स्थापना के बाद छत्तीसगढ़ के युवाओं में लॉ प्रोफेशन की ओर भी रुझान बढ़ा है। इससे उन्हें करियर के नये अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अंग्रेजों के समय की दंड संहिता को समाप्त कर भारतीय न्याय संहिता को लागू किया। अंग्रेजों के समय भारतीय दंड संहिता का जोर दंड पर था। भारतीय न्याय संहिता का जोर न्याय पर है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का प्रयास है कि लोगों को आधुनिक समय के अनुरूप आये नये तकनीकी बदलावों को भी शामिल किया गया है। इसमें फॉरेंसिक साइंस से जुड़ी पहलुओं का काफी महत्व है। लोगों को त्वरित और सुगम न्याय मिल सके, इसके लिए न्यायपालिका को मजबूत करने समय-समय पर जो अनुशंसाएँ की गईं, उनका बीते एक दशक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रभावी क्रियान्वयन हुआ है।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश श्री जे.के. माहेश्वरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और यह धान्य पूर्णता की ओर ली जाती है। जहां धर्म है वहां विजय है। हमार सच्चा कर्म और विचार ही धर्म है। चेतना ही सहज धर्म से जोड़ती है। अगले 25 साल में हम न्यायपालिका को कहां रखना चाहते है इस पर विचार और योजना बनाने का समय है। आम आदमी कोर्ट के दरवाजे पर एक विश्वास के साथ आता है उस मूल भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने न्याय व्यवस्था से जुड़े बेंच, बार और लॉयर को विजन के साथ आगे बढ़ने प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सभी समेकित विजन बनाएं ताकि न्यायपालिका अपने जनकल्याण के अंतिम उद्देश्य तक पहुंच सके। न्यायाधीश श्री माहेश्वरी ने कहा कि भारत के संविधान में रूल ऑफलॉ की भावना पूरी हो इसके लिए सभी कार्य करें और अंतिम पायदान तक खड़े व्यक्ति तक न्याय पहुंचे इस सोच के साथ आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि आमजनों का विश्वास प्राप्त करना न्यायपालिका का सर्वोत्तम उद्देश्य है। हाईकोर्ट की स्थापना के साक्षी रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश श्री प्रशांत कुमार मिश्रा ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के रजत जयंती कार्यक्रम के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी और न्यायालय से जुड़े अपने संस्मरण साझा किया।

रजत जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि आज केवल न्यायपालिका के 25 वर्षों की यात्रा का उत्सव नहीं है बल्कि न्यायपालिका की उस सुदृढ़ परंपरा का सम्मान है जिसने संविधान और लोकतंत्र की रक्षा में अपना निरंतर योगदान दिया है। पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने न्याय की पहुंच को आम जनता तक सरल बनाने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और तकनीकी को क्रांति की तरह अपनाने में अभूतपूर्व कार्य किए हैं।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने स्वागत भाषण दिया। न्यायालय की स्थापना के रजत जयंती अवसर पर सभी अतिथियों और उपस्थित जनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का रजत जयंती कार्यक्रम निश्चित रूप से हम सभी के लिए गौरवशाली क्षण है। पिछले 25 वर्षों में न्यायालय ने विधि के शासन को स्थापित करने बेहतर कार्य किया है। उन्होंने न्यायालय की स्थापना से लेकर अब तक उपलब्धि एवं कामकाज में आए सकरात्मक बदलाव से सभा को अवगत कराया।

समारोह के अंत में न्यायाधीश श्री संजय के अग्रवाल ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव, श्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी, विधि विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री एम.एम. श्रीवास्तव, तेलंगाना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पी सैम कोसी, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश श्री यतीन्द्र सिंह, पूर्व राज्यपाल श्री रमेश बैस, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, डीजीपी श्री अरूणदेव गौतम, महाधिवक्ता श्री प्रफुल्ल भारत, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, श्री अमर अग्रवाल, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष श्री चंदेल सहित अन्य न्यायाधीश, अधिवक्ताओं जन प्रतिनिधिगण तथा न्यायिक सेवा से जुड़े अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ ने एआईआईए के सहयोग से नई दिल्ली में अस्थि मर्म पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

एजेंसी। नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में अस्थि मर्म पर दो दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसे राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ (आरएवी), नई दिल्ली ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) के सहयोग से आयोजित किया है। आरएवी शासी निकाय के अध्यक्ष पद्मश्री और पद्मभूषण से सम्मानित वैद्य श्री देवेंद्र त्रिगुणा ने एआईआईए के डीन डॉ. महेश व्यास की उपस्थिति में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। वैद्य श्री देवेंद्र त्रिगुणा ने उद्घाटन भाषण में आधुनिक स्वास्थ्य सेवा में आयुर्वेद की प्रासंगिकता पर बल दिया। उन्होंने वर्तमान स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने के लिए पारंपरिक ज्ञान को आगे बढ़ाने के महत्व पर बल दिया।

उन्होंने आयुर्वेद चिकित्सकों के लिए उपलब्ध अपार अवसरों पर भी जानकारी दी और नैदानिक अभ्यास को बढ़ाने में इस तरह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के महत्व पर बल दिया।

सामुदायिक सेवा और स्वच्छता को प्रोत्साहित करने के लिए कल नमो घाट पर स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा

एजेंसी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) 28-30 सितंबर 2025 के दौरान रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं सम्मेलन केंद्र, वाराणसी, उत्तर प्रदेश में ÷एमएसएमई सेवा पर्व-2025: विरासत से विकास÷ मनाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य समुदायों, संस्थाओं और व्यक्तियों को सेवा, सांस्कृतिक गौरव और हमारी विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक सामूहिक आंदोलन में एक साथ लाना है।

एमएसएमई सेवा पर्व 2025 की अध्यक्षता केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री जीतन राम मांझी करेंगे और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे 28 सितंबर 2025 को मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाएँगी। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार, उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता और वाराणसी के मेयर श्री अशोक कुमार तिवारी भी इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँगे। केंद्रीय एमएसएमई मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी इस कार्यक्रम का हिस्सा होंगे।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा, खादी एवं ग्रामोद्योग योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति केंद्र योजना आदि सहित एमएसएमई योजनाओं के 1500 से अधिक लाभार्थियों के भाग लेने की उम्मीद है। स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी-सह-बिक्री 28 से 30 सितंबर 2025 तक आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, सामुदायिक सेवा और स्वच्छता को प्रोत्साहित करने के लिए 28 सितंबर को सुबह 7 बजे नमो घाट पर स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

पर्यटन, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी और नीति आयोग की उपाध्यक्ष सुमन बेरी नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित सुषमा स्वराज भवन में विश्व पर्यटन दिवस समारोह के दौरान समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के आदान-प्रदान के साक्षी बने।

केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा दिल्ली के भारत मंडपम में वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन 2025 के तीसरे संस्करण में भाग लेते हुए।

पर्यटन और सतत परिवर्तन पर केंद्रित विश्व पर्यटन दिवस 2025 मनाया

पीआईबी

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने शनिवार, 27 सितंबर, 2025 को ÷पर्यटन और सतत परिवर्तन÷ पर केंद्रित विश्व पर्यटन दिवस 2025 मनाया। इस कार्यक्रम में सरकार, उद्योग, शिक्षा जगत और नागरिक समाज के प्रतिष्ठित हितधारकों ने भाग लिया और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास को गति देने और पर्यटन में लगातार प्रथाओं को आगे बढ़ाने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को जताया।

इस समारोह में नीति आयोग की उपाध्यक्ष श्री सुमन बेरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। पर्यटन, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री सुरेश गोपी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और पर्यटन मंत्रालय के अपर सचिव श्री सुमन बिल्ला ने स्वागत भाषण दिया। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) की थीम को दर्शाते हुए, इस कार्यक्रम में लगातार परिवर्तन में पर्यटन की भूमिका और ÷विकसित भारत 2047÷ की दिशा में भारत की यात्रा में इसके महत्व को रेखांकित किया।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यटन सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं है बल्कि यह आर्थिक परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समावेशन का एक मज़बूत माध्यम है। विश?व स्तर पर, अलग-अलग देशों ने यह जताया है कि किस प्रकार लगातार पर्यटन आजीविका उत्पन्न करते हुए जैव विविधता को संरक्षित कर सकता है। भारत में भी वही क्षमता है, लेकिन हमें अपनी रणनीति में स्थिरता को शामिल करना होगा। इस क्षमता को उजागर करने के लिए, हमें अभिसरण की आवश्यकता है: परिवहन, शहरी विकास, डिजिटल तकनीक और बुनियादी ढाँचे को एक साथ मिलकर काम करना होगा। सड़क, रेल, वायु और जलमार्गों पर निर्बाध संपर्क स्थलों को अधिक आसान बना सकता है, प्रमुख केंद्रों से परे भी लाभ दिया जा सकता है और भीड़भाड़ वाले स्थलों पर दबाव कम किया जा सकता है। सार्वजनिक-निजी सहयोग जरूरी है, जो उद्योग निवेश को सामुदायिक भागीदारी और पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों से जोड़े।

हम विकसित भारत 2047 की ओर देखते हैं, हमारा दृष्टिकोण एक ऐसे पर्यटन क्षेत्र का होना चाहिए जो हरित, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार हो, जहां समुदाय न केवल भागीदार हों बल्कि लाभार्थी भी हों, और जहां भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक संपदा को दुनिया के सामने गर्व के साथ प्रदर्शित किया जाए।

पर्यटन राज्य मंत्री ने स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद जैसी योजनाओं, पर्यावरण-अनुकूल आवासों, ग्रामीण और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने और नए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा अपनी पहलों में स्थिरता को समाहित करने के निरंतर प्रयासों पर ज़ोर दिया। राज्यों, उद्योग, नागरिक समाज और स्थानीय समुदायों के साथ सहयोग को भारत के समावेशी और लचीले पर्यटन विकास के केंद्र के रूप में प्रदर्शित किया गया।

उन्होंने यह भी कहा कि पर्यटन अकेले नहीं बढ़ सकता, इसके लिए परिवहन, बुनियादी ढाँचे और संबद्ध सेवाओं के साथ मज़बूत जुड़ाव ज़रूरी है। भारत ने कनेक्टिविटी को अपने पर्यटन दृष्टिकोण के केंद्र में रखा है। हवाई अड्डों, राजमार्गों, अंतर्देशीय जलमार्गों और रेलवे में निवेश घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए निर्बाध यात्रा अनुभव सुनिश्चित कर रहा है। उड़ान जैसी पहल, पर्यटन स्थलों तक बेहतर अंतिम-मील कनेक्टिविटी और एकीकृत मल्टी-मॉडल परिवहन केंद्र पर्यटन स्थलों को और अधिक सुलभ और समावेशी बना रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों के बीच तालमेल को मज़बूत करके, हम पर्यटन को समग्र क्षेत्रीय विकास के वाहक के रूप में बदल रहे हैं।

कलेक्टर ने जिला स्तरीय सलाहकार एवं परामर्शदात्री समिति की ली त्रैमासिक बैठक

हितग्राहीमूलक योजनाओं में शत-प्रतिशत हो स्वीकृति एवं वितरण - बीमा योजना एवं किसान क्रेडिट कार्ड में बढ़ाए लाभार्थियों की संख्या - कलेक्टर

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय सलाहकार एवं परामर्शदात्री समिति की त्रैमासिक बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभिन्न हितग्राहीमुखी विकास तथा रोजगारमूलक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को इन योजनाओं के प्रकरणों में शत-प्रतिशत स्वीकृति और सहायता ऋण राशि के समयबद्ध वितरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ जिले के प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचे। उन्होंने विशेष रूप से वित्तीय समावेशन से जुड़ी योजनाओं पर ज़ोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना जैसे कार्यक्रम स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए अत्यंत प्रभावी हैं।

कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि शहरी क्षेत्रों में कौशल आधारित योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए और इनके अंतर्गत ऋण स्वीकृति में किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रकरणों को प्राथमिकता से स्वीकृत करें। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना,

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना में पात्र लाभार्थियों को अधिक से अधिक जोड़ने के निर्देश भी दिए। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड के लंबित आवेदनों का त्वरित निराकरण करने और मत्स्य व पशुपालन विभाग के हितग्राहियों को योजना का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए समन्वित प्रयास करने को कहा। इसके अतिरिक्त, आधार सीडिंग के कार्य और ई केवाईसी में अगली बैठक तक अधिक लक्ष्य पूर्ण करने और वित्तीय फ्रॉड से बचाव हेतु जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री सूक्ष्म उद्योग उन्नयन योजना, रोजगार सृजन योजना, आजीविका मिशन, जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति, पीएमएमवाय और पीएमस्वनिधि जैसी योजनाओं की प्रगति तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा भेजे गए प्रकरणों की स्थिति की भी विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर ने आगामी ग्राम सभा में योजनाओं के अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करने और अधिकतम लाभ दिलाने के निर्देश दिए । इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, रिजर्व बैंक,लीड बैंक अधिकारी , नाबार्ड सहित संबंधित विभागों के जिला अधिकारी सहित जिले के विभिन्न बैंक शाखाओं के प्रबंधक उपस्थित थे।

मुद्रा योजना में सरलीकरण, सरल ऋण प्रक्रिया पर जोर

कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति देश के किसी भी बैंक से सरल प्रक्रिया के तहत लोन प्राप्त कर सकता है। योजना का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं और छोटे व्यवसायियों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराकर उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बैंक अधिकारियों को शिशु, किशोर और तरुण घटकों के लिए बैंकवार पृथक लक्ष्य निर्धारण कर जिले में अधिक से अधिक स्वीकृत करने कहा।

आकस्मिक मृत्यु के 6 प्रकरणों में 24 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आपदा मृत्यु के 06 प्रकरणों में राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत चार-चार लाख रुपए के मान से कुल 24 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि की स्वीकृति दी है। जिले की तहसील बलौदा के ग्राम पंचायत बेलटुकरी निवासी श्री राहुल कुमार पाटले की पानी में डूबने से मृत्यू होने पर उनके पिता श्री लक्ष्मीनारायण, तहसील सारागांव के ग्राम दर्री निवासी श्री निखिल भैना की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनके पिता श्री बुंदराम भैना, तहसील राहौद के ग्राम तनौद निवासी कुमारी कंचन पटेल की सर्पदंश से मृत्यु होने पर उनके पिता श्री मुकेश कुमार पटेल, तहसील अकलतरा के ग्राम मुरलीडीह (कंजी) निवासी इन्द्रकुंवर राजवाड़े की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनके पुत्र श्री सुकुल राजवाड़े, तहसील पामगढ़ के ग्राम डिघोरा निवासी श्री आयुष कुमार यादव की सर्पदंश से मृत्यु होने पर उनके पिता श्री मनोज कुमार यादव एवं तहसील चांपा के ग्राम हथनेवरा निवासी श्री लक्ष्मीप्रसाद साहू की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनकी पत्नी श्रीमती विनीता साहू को राजस्व पुस्तक 6-4 के तहत चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

प्राचार्यों की बैठक एवं प्रशिक्षण संपन्न, गौ विज्ञान परीक्षा अनूठी पहल : मनोज पाण्डेय

जांजगीर-चांपा ।

स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पामगढ़ में गत 26 सितंबर को गौ विज्ञान परीक्षा 2025 हेतु पामगढ़ अंचल के सभी अशासकीय विद्यालय के संचालक एवं प्राचार्य की महत्वपूर्ण बैठक एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । इस बैठक का प्रमुख उद्देश्य हमारी भारतीय संस्कृति एवं परंपरा में गौवंश अति विशिष्ट स्थान का बोध सभी को कराना था । इस परीक्षा को तीन भागों में बांटा गया है, जिसमें कक्षा छठवीं से आठवीं ए ग्रुप, नवमी से 12वीं बी ग्रुप और महाविद्यालय स्तर पर सी ग्रुप रखा गया है।

परीक्षा का आयोजन 4 नवंबर को आयोजित किए जाएंगे जिसमें राज्य स्तर पर प्रथम आने वाले विद्यार्थियों को 51000 , द्वितीय स्थान पाने वाले विद्यार्थी को 31000 रुपए व तीसरे स्थान पाने वाले बच्चों को 21000 रुपए प्रदान किए जाएंगे। प्रधान पाठक कुंजन दास कुर्रे ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा आयोजित गौ विज्ञान परीक्षा 2025 एक अनूठी पहल है।

इसी प्रकार जिला स्तरीय परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः ?3,100, ?2,100 एवं ?1,100 नगद पुरस्कार के साथ गौ उत्पाद किट प्रदान किए जाएँगे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मनोज पांडेय (प्रांत प्रभारी, गौ विज्ञान समिति), नरेंद्र पांडेय (जिला प्रभारी, गौ विज्ञान समिति) , विजय राठौर (जिला सह प्रभारी) , प्रमोद सिंह (जिला नोडल) , धनंजय दिव्या (अध्यक्ष पामगढ़ ब्लॉक) , मोहन कौशिक (विकासखंड शिक्षा अधिकारी पामगढ़) आदि की मौजूदगी में कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम की सभा को संबोधित करते हुए श्री मनोज पांडेय जी ने कहा कि ÷छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा आयोजित गौ विज्ञान परीक्षा 2025 एक अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य भारतीय गौ माता के वैज्ञानिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना है। यह विद्यार्थियों एवं युवाओं को भारतीय परंपरा से जोड़ने और गौ माता के संरक्षण व संवर्धन के प्रति जागरूकता करने का माध्यम है।÷

कार्यक्रम की अगली कड़ी में नरेंद्र पांडेय द्वारा कहा गया कि ÷बड़े-बड़े वैज्ञानिक एवं शोधकर्ताओं ने सिद्ध किया है कि गाय का दूध, गोबर, मूत्र के अनेकों जैविक एवं औषधीय उपयोग हैं। गाय सिर्फ धार्मिक दृष्टिकोण ही नहीं अपितु वैज्ञानिक आधारों पर भी काफी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जिनका फायदा ग्रामीण किसानों को भी मिलता है जो जैविक खाद के रूप में मृदा की उर्वरा क्षमता बढ़ाने हेतु गाय के गोबर को काम में लेते हैं, इन्हीं तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए छग शासन द्वारा गौ विज्ञान परीक्षा का वृहद आयोजन किया जा रहा है। विजय राठौर ने कहा कि ÷गायों का उचित रख-रखाव एवं उनकी आने वाली नस्लों को बचाना हमारा कर्तव्य है, ताकि लंबे समय तक हमें गौवंश से लाभ मिल सके।÷

प्रमोद सिंह ने कहा कि÷ बच्चों के मन में भारतीय परंपराओं का ज्ञान कराने हेतु और उनके धार्मिक महत्व को समझाने के लिए गौ विज्ञान परीक्षा सर्वश्रेष्ठ मध्य सिद्ध होगा। धनंजय दिव्या ने कहा कि÷ दूध हमारे दैनिक जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है आज जहां भारतीय बाजार पर विदेशी कंपनियां अपना अधिकार जमाए बैठी है, उसे हटाने के लिए और बच्चों को उत्तम गुणवत्ता वाले भारतीय नस्ल के गायों का दूध मिल सके इसके लिए भारतीय गायों का पालन पोषण और उनका संरक्षण का अती आवश्यक है।÷

कार्यक्रम के अंत में मोहन कौशिक ने कहा कि÷ गौसेवा भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो केवल दूध और रोजगार का साधन नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।÷

अवैध शराब बिक्री के दो आरोपियों को चांपा पुलिस ने पकड़ा

60 पाव देशी शराब जब्त कर दोनों आरोपियों को भेजा जेल

जांजगीर चांपा /

अवैध शराब बिक्री परिवहन के खिलाफकार्रवाई करते हुए चांपा पुलिस ने दो आरोपीयों को पकड़कर जेल भेज दिया है । पकड़े गए आरोपीयों में ब्यासनारायण पिता रथराम यादव निवासी दुरपा बाराद्वार , मुकेश पिता कन्हैया यादव सरहर बाराद्वार शामिल है ।

ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस ने पूर्व में थाना प्रभारीयों की मीटिंग लेकर अवैध शराब बिक्री करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे । इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जांजगीर उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन एवं एसडीओपी चाम्पा यदुमणि सिदार के नेतृत्व में थाना चाम्पा से एक टीम कार्रवाई हेतु रवाना किया गया था। इसी क्रम में मुखबीर सूचना पर शिवनी उमरेली रोड फाटक के पास तथा हाईवे अंडर ब्रिज के नीचे से दो व्यक्ति अवैध रूप से शराब बिक्री हेतु परिवहन करते पकड़ा गया जिनके कब्जे से अलग-अलग 30-30 पाव देशी मदिरा प्लेन कुल 60 पाव देशी शराब कीमती 4800/? जप्त किया गया दोनों आरोपियों के विरुद्ध 34 (2) आबकारी एक्ट की कारवाई किया गया तथा दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया ।

ग्रामोद्योग विभाग के सचिव सह संचालक ने किया जांजगीर-चांपा में विभागीय गतिविधियों का निरीक्षण

जांजगीर-चांपा / छत्तीसगढ़ ग्रामोद्योग विभाग के सचिव सह संचालक श्याम धावड़े एवं ए. आयाज, संयुक्त संचालक हथकरघा ने जिले में विभागीय गतिविधियों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफहैंडलूम टेक्नोलॉजी का निरीक्षण करते हुए संस्थान के कार्यों के सुचारू संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने शासकीय कोसा उत्पादन केंद्र महुदा (च) का अवलोकन कर कोसा कृमि पालकों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर प्रथम फसल में 143 हितग्राहियों द्वारा उत्पादित कोसा फल की राशि चालीस लाख अट्ठाइस हजार दो सौ अड़सठ रुपए का चेक हितग्राहियों को प्रदान किया गया। इसके उपरांत उन्होंने आदर्श बुनकर सहकारी समिति के बुनकर सदस्यों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और समाधान हेतु उचित मार्गदर्शन दिया।

शिरीष पेड़ पर आधारित माता की मान्यता : सभी की मनोकामना पूरी करती है शिरीष पाठ दाई

देवकुमार पाण्डेय

लोकशक्ति । जांजगीर चांपा /

माता शिरीष पाठ में आस्था रखने वाले भक्तों की मनोकामना पूरी करती है जिसके कारण बड़ी संख्या में दोनो नवरात्र पर्व के अलावा प्रतिदिन माता के मंदिर में श्रद्धालू दर्शन पूजन के लिए पहुंचते रहते हैं । यहां यह बताना लाजमी होगा कि पामगढ़ के दक्षिण दिशा में पामगढ़ बलौदाबाजार मार्ग में डोंगाकोहरौद गांव स्थित है जहां खेतों के बीच खार में माता शिरीष पाठ का मंदिर स्थापित है । इसकी मान्यता दंतकथा पर आधारित राउत रौताईन और नाव की कथा से जुड़ी है जिसमें प्रचलित कथा के अनुसार पुरातन समय में एक गर्भवती रौताईन महिला नदी में नाव से यात्रा कर रही थी , तब नाव बीच नदी में रुक गई तब उसके द्वारा बदना बदी गई और नाव पार हो गया परंतु उनके द्वारा अपनी बदना को

पूर्ण नही की गई । कुछ काल बाद एक नाव पुराने समय की नदी नालों से टार के रास्ते डोंगाकोहरौद की बंधवा तालाब में आ गया और उसमें नहा रही रौताईन को अपने चपेट में लेकर डुबो देती है जिससे उसकी मृत्यु हो जाती है । इस बात की खबर गांव वालों सहित उसके पति को मिलता है तब वह उस नाव को तालाब से निकाल कुल्हाड़ी से टुकड़े टुकड़े कर देता है । इस घटना के बाद गांव में प्राकृतिक आपदा आ जाता है और सब तरफशिरीष का पेड़ उग आता है जिससे नाव बना होता है । इस आपदा से निपटने के लिए गांव वालों द्वारा यज्ञ किया गया और एक जगह शिरीष की पांच पेड़ को छोड़ वहां शिरीष पाठ का स्थापना चबूतरे में किया गया तथा बाकी शिरीष के पेड़ को काट दी गई तब से डोंगिया खार में स्थित शिरीष पाठ की पूजा अर्चना होते आ रहा है , जहां शिरीष के पेड़ों में काली चूड़ी फीता बांध कर मन्नत मांगने की प्रथा चलती रही है । आज उस स्थान पर दो हजार के दशक में गांव वालों द्वारा मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू किया गया जहां आज नव जागरण शिरीष कल्याण सेवा समिती के द्वारा किसानों से जमीन दान में लेकर शासकीय सहयोग से आवागमन के लिए सड़क व अनेक मंदिरों का निर्माण किया जा चुका है जिसमें प्रमुख शिरीष पाठ मंदिर , हनुमान मंदिर , सतबहनिया मंदिर , शनि मंदिर , शिव मंदिर शामिल है ।

डोंगाकोहरौद के बीच खार में विराजित है मां की मंदिर

बड़ी संख्या में चढ़ता है काला बकरा काली मुर्गी

यहां पूर्व समय में जहां शिरीष की पेड़ पर काली चूड़ी फीता बांध कर मन्नत मांगने की प्रथा चलती थी वहीं आज भी भक्तों द्वारा बड़ी संख्या में काली बकरी बकरा व मुर्गी मुर्गा पूजा कर चढ़ाया जाता है वहीं आज भी यहां स्थित शिरीष पेड़ों की लकड़ी को ले जाने पर अनहोनी होने की बात प्रचलित है जिसके कारण पुराना पेड़ का लकड़ी वहीं पड़ा रहता है और नया उग आता है ।

दिन ब दिन बढ़ रही ख्याति -

मंदिर निर्माण की दिशा में कार्य छोटे से जगह पर वर्ष 1999 से प्रारंभ किया गया जिसके बाद वर्ष 2002 में पहला माता शिरीष पाठ मंदिर का निमार्ण तत्कालीन सरपंच से पूर्ण हुआ था तब से छोटे रूप में जवारा बोने व ज्योत जलाना शुरु किया गया था जो आज दीन ब दिन बढ़ते जा रहा है और नवरात्र की दोनों पर्व में श्रद्धालूओ द्वारा मनोकामना दीप प्रज्ज्वलित कराए जाते हैं और माता की ख्याति लगातार बढ़ रही है।

राष्ट्रीय महाराणा रत्न अलंकरण से देवेश सिंह सम्मानित

जांजगीर चांपा /

राष्ट्रीय भावधारा ,सांस्कृतिक चेतना ,पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक समरसता के साथ समाज के आवश्यक विभिन्न पहलुओं को जीवन में आत्मसात कर सर्व जन हिताय एवं सर्व जन सुखाय की भावना को अपने जीवन का आधार मानते हुए हर सम्भव सार्वजनिक कार्य के लिए, समर्पित व्यक्तित्व देवेश कुमार सिंह को राष्ट्रीय महाराणा प्रताप अकादमी एवं विकास संस्कृति महोत्सव के राष्ट्रीय अधिवेशन में महाराणा प्रताप रत्न अलंकरण से सम्मानित किए जाने पर सार्वजनिक ,साहित्यिक ,शिक्षा एवं मानवीय संवेदनाओं को अपने कार्यों में समाहित करने वाले समस्त क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है एवं सभी ने उन्हें अपनी ओर से शुभकामनाएं प्रेषित किए हैं। इस अवसर पर जांजगीर से नवभारत के उप संपादक किशोर कुमार सिंह ,सुरेश सिंह क्षत्रिय ,हेमंत कुमार सिंह,नवल सिंह ,नवनीत सिंह चंदेल ,सचिन सिंह ,भीष्म सिंह सहित प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

कृष्णा विहार कॉलोनी में आस्था, श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा नवरात्रि पर्व

जांजगीर-चांपा। श्री नवदुर्गा उत्सव समिति, कृष्णा विहार कॉलोनी में आज मां दुर्गा की मूर्ति विधि-विधान और भव्य श्रद्धा भाव से स्थापित की गई। समिति के पंडित जी के मार्गदर्शन में कलश स्थापना, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए।

समिति के सदस्यों ने पूरे कॉलोनी में कार्यक्रम की तैयारी कर रखी थी। इस वर्ष नवरात्रि पर्व 22 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 को और भी भव्य बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं। पूजा स्थल को साफ-सुथरा कर सजाया गया है। मूर्ति स्थापना के समय कॉलोनीवासियों और भक्तों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर माता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। समिति सदस्यों ने बताया कि प्रतिदिन पूजा-अर्चना के साथ भजन संध्या, प्रसाद वितरण और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रतिदिन सुबह से शाम तक पूजा-अर्चना, भजन संध्या एवं कीर्तन, भक्तों के लिए प्रसाद वितरण किया जाएगा। समिति ने सभी भक्तजन और कॉलोनीवासियों से आग्रह किया है कि वे श्रद्धा भाव के साथ उपस्थित होकर पुण्य लाभ लें। यह पर्व कॉलोनी में सभी के लिए उत्सव और एकता का अवसर है। उन्होंने कहा कि आने वाले नौ दिनों तक माता के दर्शन और पूजा-अर्चना से भक्तजन आध्यात्मिक सुख अनुभव करेंगे।

विद्यालय एवं महाविद्यालयों में शिविर लगाकर ईसीआई के द्वारा किये गये नवाचार के प्रचार-प्रसार करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

कोरबा कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने प्राचार्य एवं सहायक जिला स्वीप नोडल अधिकारी शा.ई.व्ही.पी.जी. महाविद्यालय कोरबा को पत्र के माध्यम से ईसीआई के द्वारा किये गये नवाचार के प्रचार-प्रसार विद्यालय एवं महाविद्यालयों में षिविर लगाकर किये जाने के निर्देष दिए हैं। कलेक्टर ने प्राचार्य एवं सहायक जिला स्वीप अधिकारी को निर्देषित किया है कि आयोग द्वारा जारी दिषा निर्देषों के तहत कोरबा जिले के विद्यालयों तथा महा विद्यालयों में ईसीआई के द्वारा जारी किये गये नवाचार के प्रचार प्रसार हेतु एक दिवसीय षिविर का आयोजन कर पात्र युवाओं का नाम मतदाता सूची में पंजीयन हेतु फार्म 6 में अग्रिम आवेदन (आनलाईन/आफ्लाईन) प्राप्त करेंगे ।

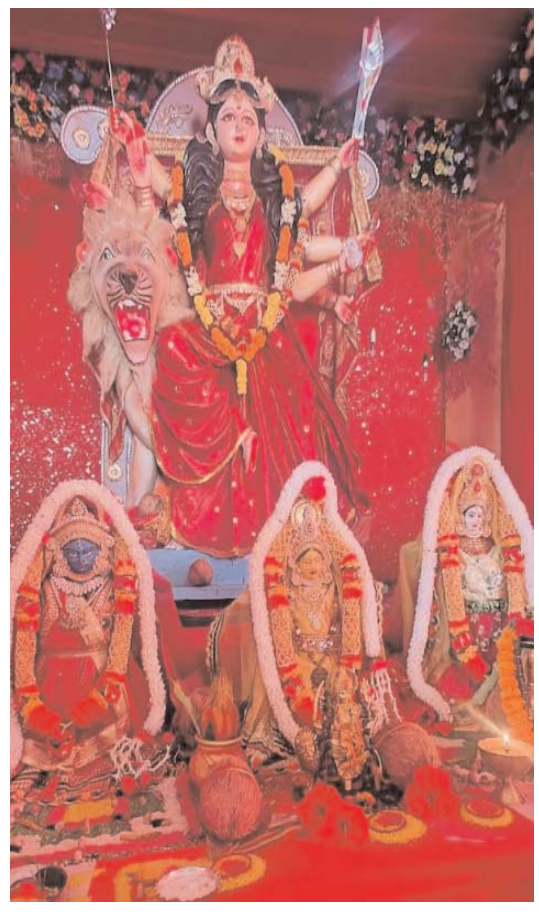

बांकी मोंगरा में स्वच्छता ही सेवा अभियान- पालिका अध्यक्ष सोनी विकास झा ने कहा ये नागरिक भागीदारी का उत्सव हैं

कोरबा । बांकी मोंगरा नगर पालिका परिषद में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पालिका अध्यक्ष श्रीमती सोनी विकास झा ने महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने के लिए नागरिकों से इस अभियान में जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम के मुख्य बिंदुः- 'स्वच्छता ही सेवा अभियान': 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे देशभर में मनाया जा रहा है, जिसमें नागरिक, संस्था और संगठन एक साथ आकर स्वच्छता श्रमदान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हैं। 'महात्मा गांधी का संदेश': महात्मा गांधी ने अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने संबंधी शिक्षा प्रदान कर राष्ट्र को एक उत्कृष्ट संदेश दिया था। 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल'रू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया ।

खास खबर

निगम के जोन कार्यालयों में 25 को लगेगा सत्यापन शिविर

विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों का होगा सत्यापन एवं नवीन पेंशन स्वीकृति हेतु भराए जाएंगे आवेदन

कोरबा । नगर पालिक निगम कोरबा के सभी 07 जोन कार्यालयों में 25 सितम्बर 2025 को सेवा पखवाड़ा दिवस शिविरों का आयोजन कार्यालयीन समय पर किया जाएगा। इन शिविरों में सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित केन्द्रीय पेंशन योजनाओं यथा-इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन एवं राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सुखद सहारा पेंशन एवं मुख्यमंत्री पेंशन योजना के हितग्राहियों का सत्यापन किया जाएगा तथा नवीन पेंशन स्वीकृति हेतु फार्म भराए जाएंगे एवं यू.डी.आई.डी. कार्ड हेतु पंजीयन किया जाएगा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा इन योजनाओं के हितग्राहियों से उक्त शिविर में आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंचने का आग्रह किया गया है।

सिविल लाइन और बालको थाना क्षेत्र में मारपीट के दो मामले, घटना सीसीटीवी में कैद

कोरबा। जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर मारपीट की घटनाएं सामने आई हैं। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में दादर निवासी विकास गुप्ता ने बाइक सवार युवकों को शांति बनाए रखने की सलाह दी, तो युवकों ने मिलकर उनकी पिटाई कर दी। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना में 4 लोग घायल हुए हैं। वहीं, बालको थाना क्षेत्र के परसाभाठा बस्ती में पुरानी रंजिश के चलते सुनाऊ राम यादव और उनके परिजन पड़ोसी राहुल तिवारी के घर में घुसकर लाठी, डंडा और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। पुलिस ने इस मामले में भी केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ननकीराम कंवर ने कोरबा कलेक्टर पर लगाए गंभीर आरोप, मुख्यमंत्री ने जांच का दिया आश्वासन

कोरबा-रायपुर । छत्तीसगढ़ में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर कोरबा के कलेक्टर अजीत वसंत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कंवर ने कलेक्टर को 'हिटलर प्रशासक' करार देते हुए राइस मिल और पेट्रोल पंपों को बेवजह सील करने, पत्रकारों को टारगेट करने और व्यक्तिगत दुश्मनी के चलते लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने विशेष रूप से 40,000 स्वसहायता समूह की महिलाओं के साथ हुई अरबों रुपये की ठगी और फर्जी मुआवजे के मामलों में कलेक्टर की मिलीभगत का भी आरोप लगाया। कंवर ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो वे सरकार के खिलाफ धरने पर बैठेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ननकीराम कंवर को उचित जांच का आश्वासन दिया।

परिवहन नगर के तीनों पार्किंग एरिया व बस स्टैण्ड की व्यवस्था में लायें सुधार – आयुक्त

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने सम्पूर्ण टी.पी.नगर क्षेत्र का किया निरीक्षण, साफसफाई व व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के दिए निर्देश

कोरबा (आरएनएस)।

आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने निगम के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि कोरबा के परिवहन नगर क्षेत्र में स्थित तीनों पार्किंग क्षेत्रों को व्यवस्थित कराएं, वहाँ पर डम्प किए गए वाहनों के कबाड़ को पार्किंग से हटवाएं ताकि वाहनों के लिए पार्किंग की समुचित सुविधा बहाल की जा सके। उन्होने टी.पी.नगर स्थित नया बस स्टैण्ड को व्यवस्थित करने एवं क्षेत्र की साफसफाई व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरूस्त करते हुए बेहतर साफसफाई कार्य सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

अपने नियमित प्रातः भ्रमण के दौरान आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने सम्पूर्ण टी.पी.नगर क्षेत्र का भ्रमण किया। यहाँ उल्लेखनीय है कि आयुक्त श्री पाण्डेय प्रतिदिन प्रातः अधिकारियों की टीम के साथ कोरबा शहर व निगम के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर सड़क, नाली, साफसफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाईट , अतिक्रमण अवैध कब्जे सहित अन्य

व्यवस्थाओं से जुडी समस्याओं का जायजा लेते हुए उनका त्वरित निराकरण कराते हैं। इसी कड़ी में आज आयुक्त श्री पाण्डेय ने निगम के टी.पी.नगर क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर वहाँ की समस्याओं व विकास से जुड़ी आवश्यकताओं का सघन रूप से जायजा लिया, समस्याओं के निराकरण के संबंध में अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर आयुक्त विनय मिश्रा, जोन कमिश्नर अखिलेश शुक्ला, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, सहायक अभियंता लीलाधर पटेल, उप अभियंता सोमनाथ डेहरे सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

टी.पी.नगर की तीनों पार्किंग होंगी व्यवस्थित- कोरबा के परिवहन नगर क्षेत्र जहाँ मरम्मत कार्यो हेतु काफी संख्या में भारी वाहनों का आना-जाना होता है व वाहनों का मरम्मत कार्य कराया जाता है, इन वाहनों की पार्किंग हेतु उक्त क्षेत्र में तीन पार्किंग बनाई गई थी, किन्तु वर्तमान में तीनों पार्किंग एरियाज अस्त-व्यस्त है, वहाँ पर काफी संख्या में वाहनों के कबाड़ व कंडम वाहन डम्प कर दिए गए हैं, जिससे वाहनों की पार्किंग हेतु पर्याप्त स्थल का अभाव रहता है तथा वाहन चालकों द्वारा अपने वाहन सड़क पर खड़ा कर दिए जाते हैं, इससे आवागमन बाधित होता है, व्यवस्थाएं बिगड़ती हैं व आमजन को अनावश्यक असुविधा होती है। आयुक्त श्री पाण्डेय ने भ्रमण के दौरान उक्त तीनों पार्किंग का निरीक्षण किया तथा वहाँ पर डम्प किए गए वाहनों के कबाड़ व कंडम वाहनों को हटवाने एवं पार्किंग एरियाज को व्यवस्थित करने, आवश्यक मरम्मत व सुधार कार्य कराने, पार्किंग से अतिक्रमण को हटाने के संबंध में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

बस स्टैण्ड को करें व्यवस्थित-

आयुक्त श्री पाण्डेय ने टी.पी.नगर स्थित नया बस स्टैण्ड परिसर का निरीक्षण किया, बस स्टैण्ड में अनियंत्रित रूप से खड़े किए गए वाहनों एवं इसके परिणाम स्वरूप वहाँ पर व्याप्त अव्यवस्था पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने के निर्देश दिए। उन्होने अधिकारियों से कहा कि वहाँ पर गठित समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ चर्चा कर व्यवस्थाओं को सुधरवाएं, बस, टैम्पो, आटो, रिक्शा आदि विविध प्रकार के वाहनों हेतु पृथक-पृथक जोन निर्धारित करते हुए बस स्टैण्ड में व्यवस्थित रूप से वाहनों की पार्किंग किए जाने हेतु व्यवस्था बनवाएं ताकि बस स्टैण्ड की अस्त-व्यस्त हालत सुधर सके। उन्होने बस स्टैण्ड में शौचालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था आदि से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं व्यवस्थाओं की बेहतरी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियो को दिए। आयुक्त श्री पाण्डेय ने बस स्टैण्ड स्थित सार्वजनिक शौचालय का भी निरीक्षण किया तथा वहाँ की बेहतर साफसफाई व आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सी.टी.यू. का ब्यूटीफिकेशन कराएं- आयुक्त श्री पाण्डेय ने भ्रमण के दौरान परिवहन नगर क्षेत्र की विभिन्न स्वच्छता लक्षित इकाईयों का अवलोकन किया। उन्होने स्वच्छता लक्षित इकाईयों की सम्पूर्ण रूप से साफसफाई करने एवं स्थलों का सौंदर्यीकरण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन स्थलों पर थीम आधारित ब्यूटीफिकेशन का कार्य कराएं तथा आमजन को समझाईश दें कि वे स्थलों पर कचरा न डालें।

निर्माण कार्य की कार्यप्रगति में तेजी लाएं- आयुक्त श्री पाण्डेय ने भ्रमण के दौरान निगम द्वारा कराए जा रहे विकास व निर्माण कार्यो एवं विकास कार्यो हेतु प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रगतिरत निर्माण कार्यो की कार्यप्रगति में तेजी लाएं एवं कार्य के दौरान गुणवत्ता पर विशेष फोकस रखते हुए कार्य कराएं व समयसीमा में कार्यो को पूरा करें।

कलेक्टर ने पाली में विभिन्न शासकीय संस्थानों एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन का किया निरीक्षण

- पीएम सूर्यघर योजना के हितग्राही से योजना के सम्बंध में ली जानकारी
- निर्माणाधीन एकलव्य हॉस्टल का निरीक्षण कर कार्य समय पर पूर्ण कराने व गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने हेतु किया निर्देशित
- पीएचसी लाफा में स्वास्थ्य कर्मचारियों को समय पर उपस्थित रहकर आमजनो को लाभांवित करने के दिए निर्देश

कोरबा संवाददाता

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने पाली विकासखंड में विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर एसडीएम पाली

श्रीमती सीमा पात्रे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने पाली में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का लाभ उठा रहे हितग्राही श्री आनंद जायसवाल के घर पहुँचकर योजना से मिल रहे लाभ एवं क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने हितग्राही से पैनल की लागत, उत्पादन क्षमता, सब्सिडी के सम्बंध में चर्चा की। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारी को सभी लोगों तक योजना की पहुंच बढ़ाने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार करने एवं योजना का प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।ततपश्चात कलेक्टर श्री वसंत ने ग्राम लाफा में निर्माणाधीन एकलव्य हॉस्टल का निरीक्षण कर समय सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने निर्देशित किया एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के बात कही।

निरीक्षण की कड़ी में कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाफा में कर्मचारियों की उपस्थिति, दवाई की उपलब्धता, मरीजों के उपचार की व्यवस्था का अवलोकन किया उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को केंद्र में समय पर उपस्थित रहकर आमजनो को स्वास्थ्य लाभ पहुचाने के लिए कहा। उन्होंने केंद्र में गर्भवती महिलाओं की विशेष देखरेख की व्यवस्था व चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने निर्देशित किया गया। अंत मे कलेक्टर ने चैतुरगढ़ में माता महिषासुर मर्दिनी के दर्शन कर नवरात्रि पर्व के आयोजन का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर परिसर का अवलोकन करते हुए आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया एवं परिसर में स्थित भंडार कक्ष का मरम्मत कराने एवं अन्य व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

कसनिया मार्ग पर देर रात फायरिंग, ग्रामीणों की सतर्कता से आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

कोरबा, । जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कसनिया मार्ग पर बुधवार रात उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक ने अचानक फायरिंग कर दी। बाइक सवार युवक ने सिकंदर मेमन के घर के सामने दो राउंड गोलियां चलाईं। एक गोली घर के शटर को भेदते हुए अंदर जा घुसी, जबकि दूसरी दरवाजे में जा धंसी। गनीमत रही कि घटना के समय घरवाले सोने की तैयारी में थे और कोई घायल नहीं हुआ।

अचानक हुई गोलीबारी से आसपास के ग्रामीण दहशत में आ गए और घरों से बाहर निकलकर स्थिति जानने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान आरोपी युवक बाइक पर सवार होकर हाईवे की ओर भागने लगा। बताया जा रहा है कि भागते समय उसकी बाइक फिसल गई और वह गिर पड़ा। गिरने के बाद अपनी पहचान छुपाने के लिए उसने शर्ट बदल ली, लेकिन गांव के युवकों को उसका बर्ताव संदिग्ध लगा। उन्होंने उसका पीछा करना शुरू कर दिया और उस पर नजर बनाए रखी। जब आरोपी कटघोरा जाने के लिए बस पकड़ने की कोशिश कर रहा था, तभी पहले से सतर्क ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को बस स्टैंड के

कन्या आश्रम में पति को साथ रखने पर अधीक्षिका को पद से हटाया गया, विभाग ने की कार्रवाई

बलरामपुर, बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर विकासखंड स्थित पशुपतिपुर कन्या आश्रम की अधीक्षिका सुमित्रा सिंह को नियमों के उल्लंघन का खामियाजा भुगतना पड़ा है। आश्रम परिसर में पति के साथ रहने को लेकर उनका एक वीडियो वायरल हुआ, जिसके बाद विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें अधीक्षिका पद से हटा दिया।

ग्रामीणों द्वारा बनाए गए वीडियो में सुमित्रा सिंह के पति को छात्रावास परिसर में रहते हुए देखा गया। इस मामले में ग्रामीणों ने आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि अधीक्षिका ने नियमों की अवहेलना करते हुए अपने पति को आश्रम परिसर में ठहराया, जो स्पष्ट रूप से विभागीय नियमों के खिलाफ है। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग ने कार्रवाई की और सुमित्रा सिंह को उनके मूल पद – प्रधान पाठक, प्राथमिक कन्या आश्रम शाला, पशुपतिपुर – पर वापस भेज दिया गया है। उनकी जगह अब शासकीय प्राथमिक शाला कोरवाटोला की सहायक शिक्षिका प्रीति सिंह को पशुपतिपुर कन्या आश्रम की नई अधीक्षिका नियुक्त किया गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, छात्रावास जैसे संवेदनशील संस्थानों में पदस्थ अधिकारियों से उच्च स्तर की जिम्मेदारी और आचार-व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। नियमों के उल्लंघन पर भविष्य में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दर्री, सर्वमंगला जोन के सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदियों का हुआ स्वास्थ परीक्षण

स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान के तहत घंटाघर स्थित सियान सदन में आयोजित हुआ 03 दिवसीय स्वास्थ परीक्षण शिविर

कोरबा स्वच्छता ही सेवा - 2025 अभियान अंतर्गत घंटाघर स्थित सियान सदन में आयोजित किए जा रहे स्वास्थ परीक्षण शिविर के अंतिम दिन नगर पालिक निगम केारबा के बालको, दर्री व सर्वमंगला जोनांतर्गत कार्यरत सफाई मित्रों, स्वच्छता कामगारों व स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ परीक्षण किया गया। शिविर में नेत्र जांच कैम्प भी आयोजित हुआ तथा नेत्रों की जांच की गई। हेल्थ चेकअप के साथ-साथ आवश्यकतानुसार दवाईयॉ भी उपलब्ध कराई गई। भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के अंतर्गत शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों के तहत नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में विगत 17 सितम्बर से आगामी 02 अक्टूबर तक '' स्वच्छता ही सेवा - 2025 ''अभियान का कुशल संचालन किया जा रहा है। निगम स्वास्थ अधिकारी डॉ.संजय तिवारी ने बताया कि अभियान की कड़ी में घंटाघर स्थित सियान सदन में निगम के सफाई मित्रों, स्वच्छता कामगारों व स्वच्छता दीदियों के स्वास्थ परीक्षण हेतु 22, 23 व 24 सितम्बर को तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन के तीसरे व अंतिम दिन बुधवार 24 सितम्बर को निगम के बालको, दर्री व सर्वमंगला जोन के अंतर्गत कार्यरत सफाई मित्रों, स्वच्छता कामगारों व स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ परीक्षण मोबाईल मेडिकल यूनिट के चिकित्सकों व मेडिकल स्टाफ के द्वारा किया गया। शिविर के दौरान स्थल पर नेत्र जांच कैम्प भी लगाया गया था, हेल्थ चेकअप कराने आने वाले लोगों के आंखों की जांच भी चिकित्सकों द्वारा की गई। शिविर में बुखार, मलेडिया, डेंगू, शुगर, लिपिड प्रोफाईल, सी.बी.सी., लीवर, किडनी, पेसाब की जांच, प्रोटीन टेस्ट, बिटामिन बी.-12 जांच सहित 41 प्रकार की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत 120 आयोजित जॉच शिविरों,

23 विशषज्ञीय शिविरों में 6760 हितग्राहियों ने कराया अपना जॉच

कोरबा संवाददाता

जिले में 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण देखभाल और टीकाकरण और पोषण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने, महिलाओं तथा बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना है। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के तहत 17 सितंबर से जिला चिकित्सालय, समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में महिलाओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य सेवायें सुनिश्चित करने दैनिक स्वास्थ शिविर लगाये जा रहे हैं। शिविरों में रोगों की पहचान, रोकथाम और स्वास्थ संवर्धन पर ध्यान केन्द्रित कर गैर संचारी रोगों, कैंसर एनिमिया, टीबी, सिकल सेल रोग, मातृ एंव शिशु की जॉच एवं उपचार किया जा रहा है। साथ ही महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली, जागरूकता और परामर्श सत्र का आयोजन कर जानकारी दिया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

डॉ.एस.एन.केशरी ने बताया कि अक्सर महिलाओं में एनिमिया, पोषण की कमी, महावारी से जुड़ी समस्याएं और सिकल सेल जैसी बिमारियॉ समय पर जॉच नहीं होने की वजह से गंभीर रूप ले लेती हैं। इन समस्याओं को दूर करने स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के तहत स्वास्थ्य केन्द्रों में शिविरों का आयोजन कर महिलाओं में बिमारियों की स्क्रीनिंग कर उपचार प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में 17 सितंबर से 22 सितंबर तक लगाये गए शिविरों में 06 हजार 760 महिलाओं का जॉच किया गया जिसमें 860 गर्भवती महिलाओं की जॉच 02 दो 599 एनिमिया जॉच, 01 हजार 993 सिकलसेल जॉच, 01 हजार 209 टीबी जॉच, 04 हजार 119 बीपी जॉच, 03 हजार 970 शुगर जॉच तथा 03 हजार 316 कैंसर जॉच(ओरल, ब्रेस्ट,सर्वाइकल) किया गया। इसके साथ ही 116 वयवंदन कार्ड बने तथा 278 बच्चों को टीकाकृत किया गया।

कलेक्टर अजीत वसंत तथा सीएमएचओ डॉ.केशरी ने जिले की महिलाओं, नागरिकों, जनप्रतिनिधियों से स्वास्थ्य केन्द्रों में आयोजित हो रहे शिविरों में जाकर जॉच कराने तथा क्षेत्र की महिलाओं को स्वास्थ जॉच कराने हेतु आग्रह किया हैजिससे उनकी स्वास्थ्य जॉच हो सके।

कबाड़ व्यवसायी मुकेश कुमार साहू को 2 माह कैद, 3.50 लाख जुर्माना

कोरबा । कबाड़ व्यवसायी मुकेश कुमार साहू उर्फ बरबट्टी को चेक बाउंस मामले में सत्र न्यायालय ने दो माह का साधारण कारावास और 3 लाख 50 हजार रुपए प्रतिकर राशि जमा करने की सजा सुनाई है। मामला उसके भाई शैलेश कुमार साहू को दिए गए चेक से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार आरोपी ने अपने व्यवसाय के लिए शैलेश कुमार से तीन लाख रुपए उधार लिए थे और सिक्योरिटी के तौर पर चेक दिया था। जब राशि वापस नहीं की गई तो शैलेश ने वह चेक बैंक में प्रस्तुत किया लेकिन खाते में पर्याप्त धनराशि न होने से चेक बाउंस हो गया। इसके बाद शैलेश ने न्यायालय में धारा 138 परक्राम्य लिखित अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया। निचली अदालत ने आरोपी को दोषी मानते हुए सजा सुनाई थी। आरोपी ने फैसले के खिलाफअपील की लेकिन सत्र न्यायालय ने अपील खारिज कर सजा को बहाल रखा और आदेशानुसार आरोपी को जेल भेज दिया गया। बताया जाता है कि मुकेश साहू आदतन अपराधी है और इससे पहले भी दो मामलों में सजा पा चुका है। वर्ष 2014 में गेवरा दीपका कॉलरी क्षेत्र में ट्रक में फर्जी नंबर प्लेट लगाकर कोयला चोरी करते हुए पकड़ा गया था, उस मामले में उसे तीन वर्ष की सजा हुई थी। वहीं एक अन्य प्रकरण में जाहिद खान से ट्रक खरीदी रकम के भुगतान हेतु दिया गया एक लाख एक हजार रुपए का चेक बाउंस हो गया था। इस मामले में भी न्यायालय ने उसे तीन माह का कारावास और एक लाख चालीस हजार रुपए प्रतिकर राशि जमा करने की सजा सुनाई थी।

संगठनात्मक मजबूती के लिए किए जाएंगे अहम बदलाव : अमित पठानिया

रायपुर । छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव श्री अमित पठानिया द्वारा प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने संगठन की मजबूती, भविष्य की रणनीति एवं भारतीय जनता पार्टी की जनविरोधी नीतियों को लेकर विस्तार से अपनी बात रखी। प्रभारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में युवा कांग्रेस का संगठन निरंतर सक्रिय और सशक्त भूमिका में है। लेकिन बदलते हालात में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है, जिसके लिए कई अहम बदलाव किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा जनता को ठगने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का काम कर रही है। श्री अमित पठानिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने और भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ निर्णायक संघर्ष के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में संगठन बूथ स्तर तक अपनी पकड़ मजबूत करेगा और हर मुद्दे पर जनता के साथ खड़ा रहेगा। इस दौरान नेताओं ने बताया प्रभारी नियुक्त होने के बाद लगातार 9 दिनों तक प्रदेश का दौरा किया गया। इस दौरान हुई 11 घंटे लंबी बैठक में संगठन की दिशा और रणनीति पर गहन चर्चा हुई। सचिन पायलट के नेतृत्व में आयोजित यात्रा में सक्रिय भूमिका निभाते हुए जनता को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। रायपुर ग्रामीण एवं शहर जिला कार्यकारिणी की बैठकों में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। सक्रिय न रहने वाले पदाधिकारियों को पदमुक्त किया जाएगा, वहीं नए साथियों को शामिल किया जाएगा। साथ ही एससी, एसटी, ओबीसी वर्ग और चुनाव जीतने वाले साथियों को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही बूथ स्तर की जांच में गड़बडियों का खुलासा हुआ है। भाजपा के कारनामों को जनता के सामने रखा जाएगा। जनता पर 2 से 3 गुना ज्यादा बिल का बोझ डाला जा रहा है। इसके खिलाफ आंदोलन छेड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि दोहरी नीति राज्य सरकार अपना रही है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पर आरोपों के बावजूद कार्यवाही नहीं हुई, जबकि युवा कांग्रेस के नेताओं पर भ्रष्टाचार उजागर करने पर एफआईआर दर्ज की गई।

मंत्रालय में अब अधिकारी-कर्मचारियों का होगा एआई प्रशिक्षण

ट्रेडिंग अकाउंट में तकनीकी खराबी का हवाला देकर भुगतान टालता रहा संचालक

रायपुर । राजधानी रायपुर में एक बड़ा निवेश घोटाला सामने आया है। टिकरापारा थाना पुलिस ने ए स्क्वायर ग्लोबल कंसल्टेंसी कंपनी के संचालक अनिरुद्ध दलवी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि दलवी ने लोगों को 100 दिन में रकम दोगुनी करने का वादा कर करोड़ों रुपये हड़प लिए और अब फरार है। निवेशकों का आरोप है कि अप्रैल 2025 के बाद दलवी ने पैसे लौटाने से बचने के लिए तरह-तरह के बहाने बनाने शुरू कर दिए। कभी वेबसाइट हैकिंग, तो कभी ट्रेडिंग अकाउंट में तकनीकी खराबी का हवाला देकर भुगतान टालता रहा। अंततः करोड़ों रुपये लेकर मोबाइल नंबर बंद कर फरार हो गया। टिकरापारा पुलिस ने प्रकरण में छत्तीसगढ़ निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम 2005 की धारा 10 और धोखाधड़ी से जुड़ी धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी अनिरुद्ध दलवी फरार है और पुलिस उसकी तलाश तेज कर रही है। ऐसे दिया लोगों झांसा, कुछ को भुगतान भी किया शिकायतकर्ता अनवर मोहम्मद निवासी रायपुर ने पुलिस को बताया कि संचालक ने सोशल मीडिया और सेमिनारों के ज़रिए लोगों को निवेश के लिए प्रेरित किया।

संवेदनशीलता और दृढ़ता का संतुलन ही एक सच्चे न्यायाधीश की पहचान है : मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी, बिलासपुर के विवेकानंद सभागार में आज नव नियुक्त सिविल जज (कनिष्ठ वर्ग) हेतु आयोजित प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण के समापन सत्र का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय श्री रमेश सिन्हा के गरिमामय नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण 30 जून 2025 से शुरू हुई थी। जिसका समापन आज 26 सितम्बर 2025 को हुआ।मुख्य न्यायाधीश श्री सिन्हा ने संबोधन में अपने अमूल्य विचार प्रशिक्षु न्यायाधीशों के साथ साझा किए। उन्होंने न्यायिक कार्यप्रणाली में निष्ठा, संवेदनशीलता एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के महत्व को रेखांकित किया और युवा न्यायाधीशों को विनम्रता एवं करुणा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए सदैव विधि के विद्यार्थी बने रहने का आह्वान किया।

मुख्य न्यायाधीश श्री सिन्हा ने कहा कि नागरिकों के लिए न्याय प्राप्ति का पहला संपर्क बिंदु न्यायपालिका में प्रवेश स्तर पर न्यायाधीश होते हैं और पक्षकारो की न्यायपालिका के प्रति धारणा प्रायः न्यायालय में न्यायाधीशों के आचरण से ही निर्मित होती है। अतः शिष्टाचार, समयनिष्ठा और करुणा को उनके न्यायिक चरित्र का अभिन्न अंग बनना चाहिए। उन्होनें कहा कि संवेदनशीलता और दृढ़ता का संतुलन ही एक सच्चे न्यायाधीश की पहचान है। वे सभी स्मरण रखें कि न्यायाधीशों का पहनावा केवल एक वस्त्र नहीं है, यह समाज द्वारा न्यायाधीशों पर जताए गए विश्वास का प्रतीक है।समापन सत्र के अन्त में मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने आशा व्यक्त की कि न्यायाधीश अपने पूरे कार्यकाल में विधि के विद्यार्थी बने रहें, क्योंकि विधि निरंतर परिवर्तनशील है। विनम्रता और सीखना आपका मार्गदर्शन करे, नैतिकता और निष्पक्षता न्यायाधीशों का आधार बने तथा संविधान के प्रति समर्पण न्यायाधीशों को प्रेरित करता रहे।इस अवसर पर न्यायमूर्ति श्रीमती रजनी दुबे, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।नव नियुक्त सिविल जजों के लिए तीन माह का यह प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें आधारभूत ज्ञान, व्यावहारिक कौशल एवं न्यायिक दृष्टिकोण से सुसज्जित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में वैधानिक एवं प्रक्रम संबंधी विधियों, न्यायालयों में तकनीक के उपयोग, नैतिकता एवं समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता जैसे विविध विषयों को सम्मिलित किया गया। साथ ही, प्रभावी न्यायालय प्रबंधन एवं वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्रों पर विशेष बल दिया गया। यह कार्यक्रम उनके प्रशिक्षण के प्रथम चरण की समाप्ति का प्रतीक है, जिसके उपरांत अधिकारीगण अपने-अपने पदस्थापनों पर नवीन ऊर्जा, प्रतिबद्धता एवं न्याय के प्रति समर्पण के साथ कार्यभार ग्रहण करेंगे।

धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में किसानों को मिला जीएसटी सुधार का लाभ

जीएसटी बचत उत्सवः ट्रैक्टर खरीदी में किसानों को मिली बड़ी राहत ङ्क मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जीएसटी बचत उत्सव के बीच ट्रैक्टर शोरूम पहुंचकर किसानों से किया आत्मीय संवाद

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज जीएसटी बचत उत्सव के बीच औचक निरीक्षण पर देवपुरी स्थित ट्रैक्टर शोरूम पहुंचे। श्री साय ने यहां किसानों से आत्मीय संवाद कर जीएसटी कटौती पर उनकी प्रतिक्रिया और खरीदी में हुई बचत की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने शोरूम में ट्रैक्टर और हार्वेस्टर खरीदने आए किसानों को चाबी सौंपकर शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अभनपुर के बिरोदा निवासी श्री रवि कुमार साहू को उनके नए हार्वेस्टर की चाबी सौंपी। इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुए श्री रवि साहू ने कहा, ÷मैने सपने में भी नहीं सोच था कि मैं नया हार्वेस्टर खरीदूंगा। मैं सेकेंड हैंड हार्वेस्टर खरीदने के बारे में सोच रहा था। जीएसटी उत्सव में नए हार्वेस्टर खरीद पर मुझे पूरे 2 लाख रुपए की बचत हुई है। किसानों की चिंता का समाधान हमारे संवेदनशील प्रधानमंत्री मोदी जी और किसानहितैषी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी ही कर सकते हैं। मुख्यमंत्री जी ने स्वयं मुझे मेरे नए हार्वेस्टर की चाबी सौंपी और मुझसे बेहद आत्मीयता से संवाद किया। मैंने उन्हें बताया कि मेरे पास दो एकड़ खेत है और अब हार्वेस्टर आने से मैं गांव में साझेदारी से और अधिक खेती कर पाऊंगा।÷ श्री रवि ने जीएसटी में कटौती के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। जीएसटी बचत उत्सवः ट्रैक्टर खरीदी में किसानों को मिली बड़ी राहत ङ्क मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री श्री साय ने अभनपुर कोलर से आए वरिष्ठ किसान श्री ज्ञानिक राम साहू को उनके नए ट्रैक्टर की चाबी सौंपी। मुख्यमंत्री से संवाद करते हुए श्री साहू ने बताया कि जीएसटी में कटौती के बाद नए ट्रैक्टर की खरीदी पर उन्हें पूरे 60 हजार रुपए की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि इस बचत से उनका परिवार त्योहार को और अच्छे से मना सकेगा।

ट्रैक्टर शो रूम के प्रोप्राइटर श्री अशोक अग्रवाल ने मुख्यमंत्री से संवाद में बताया कि जीएसटी में कटौती के कारण बिक्री में इज़ाफ़ा हो रहा है और ग्राहकों का उत्साह बढ़ा है। उन्होंने कहा, ÷पहले जो ट्रैक्टर 10.25 लाख रुपए का आता था, वह अब 9.75 लाख रुपए में उपलब्ध है, जिससे किसानों को 50 हजार रुपए की बचत हो रही है। इसी तरह 7.62 लाख का ट्रैक्टर अब 7.21 लाख और 6.51 लाख का ट्रैक्टर अब 6.11 लाख रुपए में मिल रहा है। कीमतों में कटौती और फेस्टिवल डिस्काउंट से किसानों की बड़ी बचत हो रही है। जीएसटी दर घटने के बाद हार्वेस्टर भी सस्ते हो गए हैं।इसके बाद मुख्यमंत्री श्री साय देवपुरी के बजाज बाइक शोरूम पहुंचे और यहां मौजूद ग्राहकों से जीएसटी कटौती पर आत्मीय चर्चा की। उन्होंने बाइक खरीदने आए संतोषी नगर निवासी श्री एम.डी. गुलाब को उनकी नई बाइक की चाबी सौंपी। श्री गुलाब ने बताया कि जीएसटी में कटौती के बाद बाइक खरीदने पर उन्हें 7 हजार रुपए की बचत हुई है। उन्होंने कहा, ÷मैंने बजाज प्लेटिना 110 सीसी बाइक खरीदी है, जिसकी पहले कीमत 89,000 रुपए थी, जो अब मुझे 82,000 रुपए में मिली।÷मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू जीएसटी 2.0 ने आम जनता, किसानों और उपभोक्ताओं को वास्तविक राहत दी है। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और अन्य कृषि यंत्रों की कीमतों में आई कमी से किसानों को सीधा लाभ हो रहा है, जिससे उनकी खेती-किसानी और जीवनयापन और सुगम होगा। उन्होंने कहा कि इस जीएसटी बचत उत्सव से उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ कम हुआ है और त्यौहारी सीजन में परिवारों की खुशियाँ बढ़ी हैं। यह सुधार न केवल आर्थिक गतिविधियों को गति दे रहा है बल्कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उत्साह और समृद्धि का नया वातावरण भी बना रहा है।

प्रभु श्री रामलला दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

रायपुर । सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीरामलला के दर्शन करने का सौभाग्य मिलने जा रहा है। संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल और कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने अंबिकापुर रेल्वे स्टेशन से श्रद्धालुओं के जत्थे को विशेष ट्रेन से रवाना किया। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई। श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना में अब तक 29 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम तथा आसपास के अन्य तीर्थस्थल की निःशुल्क यात्रा कराई जा चुकी है। संस्कृति मंत्री अग्रवाल और कृषि मंत्री नेताम ने श्रद्धालुओं के जत्थे को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल धार्मिक सफर नहीं बल्कि हमारी आस्था, भक्ति और संस्कृति से गहराई से जुड़ने का अवसर भी है। अयोध्या धाम की यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह था। कई श्रद्धालुओं ने बताया कि आज उनके जीवन की बड़ी तमन्ना पूरी होने जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना से अयोध्या धाम की यात्रा का अवसर मिल रहा है। श्रद्धालुओं ने छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। इन श्रद्धालुओं ने बताया कि अयोध्या धाम और आसपास के तीर्थस्थलों की निःशुल्क यात्रा के साथ ही रूकने, ठहरने तथा अन्य आवश्यक इंतजाम सरकार द्वारा किए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने पांच करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का किया

प्रदेश सरकार गांवों और शहरों के संतुलित विकास पर दे रही जोर : श्री अरुण साव

रायपुर। छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित ''आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान, शहर समागम'' एवं 'स्वच्छता संवाद' कार्यक्रम में आज उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने लोरमी के कबीर भवन में अतिरिक्त सुविधाओं के विस्तार कार्य का लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित किया। उन्होंने इसके साथ ही लोरमी में पांच करोड़ 23 लाख रुपए के तीन नए कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इनमें नगर उद्यान निर्माण, बाबाधाम मुक्तिधाम सौंदर्यीकरण तथा ब्राह्मणपारा मुक्तिधाम सौंदर्यीकरण के कार्य शामिल हैं। इन कार्यों से शहर की सुंदरता बढ़ेगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप लोरमी क्षेत्र का व्यवस्थित विकास करना मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करते हुए लोरमी को एक स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने में सहयोग करें, ताकि स्वच्छता के मामले में लोरमी प्रदेश में शीर्ष स्थान पर पहुँच सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। बीते 20 महीनों में करोड़ों रुपए के विकास कार्य पूरे हो चुके हैं। आने वाले समय में भी करोड़ों रुपए की योजनाएं धरातल पर उतरेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों और शहरों के संतुलित विकास पर जोर दे रही है। लोरमी नगर को सुविधाओं से परिपूर्ण बनाने तथा स्वच्छ और सुंदर शहर का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश सरकार जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को पूरा करने के लिए संकल्पबद्ध है।

कार्यक्रम में प्रबुद्धजनों एवं नागरिकों ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में स्थानीय सहभागिता की भूमिका पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि समाज के हर वर्ग को अपनी भागीदारी निभाते हुए समग्र विकास में सहयोग देना होगा। कार्यक्रम में नगरवासियों ने स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, जन-जागरूकता फैलाने तथा सामूहिक प्रयासों से लोरमी को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लिया। पूर्व विधायक श्री भूपेंद्र सिंह ठाकुर, लोरमी नगर पालिका के अध्यक्ष श्री सुजीत वर्मा और जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती वर्षा सिंह सहित पार्षदगण, अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

भाजपा ने नियुक्त किये 3 चुनाव प्रभारी ः भूपेंद्र यादव को बंगाल और बैजयंत पांडा को तमिलनाडु की जिम्मेदारी

नई दिल्ली) भाजपा ने नियुक्त किये 3 चुनाव प्रभारी ः भूपेंद्र यादव को बंगाल और बैजयंत पांडा को तमिलनाडु की जिम्मेदारी

0 धर्मेंद्र प्रधान को मिली इस राज्य की कमान

रायपुर/नई दिल्ली, 26 सितम्बर (आरएनएस)। भाजपा ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल, बिहार और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए हैं। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का प्रभारी और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को सह प्रभारी बनाया गया है।बिहार के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को चुनाव प्रभारी, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को सह-प्रभारी बनाया है। वहीं, इसके अलावा तमिलनाडु में भाजपा सांसद बैजयंत पांडा को प्रभारी और मुरलीधर मोहोल को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। बता दें कि, बिहार में अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं, यहां फिलहाल नीतीश कुमार की छठ्ठ और भाजपा गठबंधन की सरकार है। वहीं, 2026 में मार्च से मई के बीच पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव होंगे। बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी ञ्जरूष्ट और तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कडग़म (ष्ठरूय) सत्ता में है। भूपेंद्र यादव का चुनाव प्रभारी रहते भाजपा का शानदार प्रदर्शनः भाजपा के प्रमुख संगठनात्मक रणनीतिकार माने जाते हैं। इससे पहले बिहार (2020), मध्य प्रदेश (2023), गुजरात (2017), झारखंड (2014) और उत्तर प्रदेश (2017) जैसे राज्यों में चुनाव प्रभारी रह चुके हैं। सभी राज्यों में पार्टी ने सरकार बनाई। पश्चिम बंगाल जैसे जटिल राजनीति वाले राज्य में उनका अनुभव पार्टी की जमीनी स्तर की रणनीति को मजबूत करने में सहायक साबित हो सकता है। धर्मेंद्र प्रधान को संगठनात्मक और चुनावी मैनेजमेंट का अनुभवः वर्तमान में केंद्रीय शिक्षा मंत्री और भाजपा के एक अनुभवी संगठनकर्ता हैं। मोदी और शाह की टीम के भरोसेमंद सदस्य हैं। लोकसभा समेत ओडिशा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक में संगठनात्मक मजबूती और उम्मीदवारों के बीच तालमेल बैठाने में अहम भूमिका निभाई है। सभी चुनाव में पार्टी की जीत हुई। बिहार जैसे जटिल जातीय समीकरण वाले राज्य में उनकी संगठन क्षमता और चुनाव प्रबंधन का अनुभव पार्टी के लिए फायदेमंद हो सकता

उप मुख्यमंत्री अरुण साव की अगुवाई में महामाया मंदिर से अस्पताल तक सफाई

घर की तरह शहर को भी रखें साफः उप मुख्यमंत्री श्री साव

सेवा पखवाड़ा में शहरवासियों ने लिया स्वच्छता का संकल्प

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव की अगुवाई में आज सेवा पखवाड़ा के तहत लोरमी नगर पालिका में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान चलाकर सफाई की गई। इस दौरान लोरमी के महामाया मंदिर से लेकर 50 बिस्तर अस्पताल तक सफाई अभियान चलाया गया। उप मुख्यमंत्री श्री साव के साथ मुंगेली के कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल, जिला पंचायत के सीईओ श्री प्रभाकर पाण्डेय और नगर पालिका के अध्यक्ष श्री सुजीत वर्मा सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी श्रमदान किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने श्रमदान के बाद कहा कि हमारे स्वभाव व संस्कार में स्वच्छता का हमेशा स्थान रहा है। इस अभियान से सभी लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। सभी संगठनों के एक-एक व्यक्ति द्वारा मेरा लोरमी, मेरा अभिमान की भावना से शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। लोरमी स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बने, ऐसा एक-एक व्यक्ति का संकल्प हो। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 में हमारी सरकार बनने के बाद जो भावना आई है, उससे बच्चे भी स्वच्छता के प्रति जागरूक हुए हैं। हमें शहर को अपना घर मानकर चलना पड़ेगा। घर की ही तरह शहर को भी साफ रखेंगे तो हमारा लोरमी स्वच्छ और सुंदर हो जाएगा।

श्री साव ने लोरमीवासियों को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में समयबद्धता व उत्साह के साथ भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने श्रमदान के बाद लोगों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने, गंदगी नहीं करने तथा दूसरों को भी गंदगी करने से रोकने की शपथ दिलाई।

शिविर में युवाओं को बीपीओ, एआई और स्टार्टअप क्षेत्रों में रोजगार की जानकारी

रायपुर। मुख्यमंत्री मंशानुरूप जिला प्रशासन रायपुर द्वारा प्रोजेक्ट युवा 2.0 कार्यक्रम चलाया गया। आयोजन के तहत शहीद स्मारक भवन में एक दिवसीय काउंसलिंग शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं को बीपीओ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और स्टार्टअप जैसे उभरते हुए क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों से अवगत कराना था। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में उन्हें 300 से अधिक उद्योगों और विभिन्न कौशल क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार अवसरों की जानकारी दी गई। तकनीक और स्टार्टअप की मिली जानकारी विशेषज्ञों ने युवाओं को नई तकनीकों, स्टार्टअप शुरू करने की संभावनाओं और बीपीओ सेक्टर में उपलब्ध करियर विकल्पों के बारे में बताया। उन्होंने बताया तकनीक स्टार्टअप्स के लिए स्टार्टअप इंडिया बेहतर कार्य कर रही है। जो नवाचार, दक्षता और विकास को बढ़ावा देती है, और यह भारत जैसे देशों के लिए एक संपन्न स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाने में महत्वपूर्ण है। वित्तीय सहायता, सुलभ नीतियों और नियामक सरलीकरण द्वारा इन तकनीकी स्टार्टअप्स का समर्थन करती है, जिससे रोजगार सृजन और समावेशी आर्थिक विकास होता है। विशेषज्ञों ने युवाओं को नई तकनीकों, स्टार्टअप शुरू करने की संभावनाओं और बीपीओ सेक्टर में उपलब्ध करियर विकल्पों के बारे में बताया। उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप मिलेगा रोजगार इस शिविर में अधिकारियों ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि सही मार्गदर्शन और प्रशिक्षण से वे अपने करियर में आगे बढ़ सकते हैं। प्रोजेक्ट युवा 2.0 इसी दिशा में एक पहल है, जिसके माध्यम से युवाओं को उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप तैयार कर रोजगार से जोड़ा जाएगा। शिविर में उपस्थित युवाओं ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें भविष्य की दिशा तय करने में मदद मिलेगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)